INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-124 | सांध्य दैनिक | मथुरा, मंगलवार, 30 जून 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

यमुना एक्सप्रेस वे पर भीषण हादसा, लखनऊ से दिल्ली जाती वॉल्वो बस कंटेनर में घुसी

चार लोगों की मौत, 27 सवारियां हुई घायल

मंगलवार को यमुना एक्सप्रेस वे पर टक्कर के बाद कंटेनर में पीछे से घुसी बस को देखते पुलिस अधिकारी।

बस में सवार थे 65 यात्री, जानकारी पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी पहुंचे मौके पर

हादसे में इनकी हुई मौत

मोहम्मद मुबारक (25 वर्ष) | खुर्शीद (21 वर्ष) | हरिओम (35 वर्ष) | उपदेश

यूनिक समय, राया। थाना क्षेत्र स्थित यमुना एक्सप्रेस-वे के माइल स्टोन संख्या111–112 के समीप मंगलवार भोर में लखनऊ से दिल्ली जाती वॉल्वो स्लीपर बस सामने चल रहे कंटेनर में तेज आवाज के साथ घुस गई। दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई और 27 लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद एक्सप्रेस वे चीख पुकार मच गई। जानकारी पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच गए। सभी घायलों को एंबुलेंस से हॉस्पिटल पहुंचाया गया।

गोला ट्रैवल्स की वॉल्वो स्लीपर बस सोमवार रात लखनऊ से दिल्ली के लिए जा रही थी। बस में 65 सवारियां भरी हुई थी। रात होने की वजह से तेज रफ्तार बस में सवार अधिकांश सवारियां अपनी सीटों पर नींद ले रही थी। बस करीब साढ़े तीन बजे थाना राया क्षेत्र के माइल स्टोन संख्या 111 और 112 के बीच पहुंची, तभी तेज गति की वजह से अनियंत्रित हो गई। रफ्तार तेज होने के कारण बस आगे चल रहे कंटेनर मे तेज आवाज के साथ जा टकरा गई।

हादसा होते ही बस में चीख–पुकार मचने लगी। बस की सवारियों ने बाहर निकलने के लिए बस के शीशे तोड़ दिए, जबकि दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में से एक की पहचान उपदेश कुमार (32) पुत्र फतेह सिंह निवासी नगला भूरे थाना कुर्रा जिला मैनपुरी के रुप में हुई है। इनके अलावा घायल होने वाले केशवनगर लखनऊ के कृष्णा सिंह निवासी जमालशान, गाजीपुर ब्रज सुंदर हजिद निवासी सुरजिता प्रतापुर, जितेश निवासी पंचवटी अजीजगंज लखनऊ, अयास अहमद निवासी गाजी रोजा गोरखपुर, मुईन खान निवासी बलागंज लखनऊ अंकित निवासी शिरायचंद निवासी प्रतापगढ़, अजय कुमार शुक्ला, पल्लवी निवासी टीआरएसए 64 एनपीएल कॉलोनी नई दिल्ली, अंकिता निवासी ट्रांसपोर्ट नगर गोरखपुर, मोसिन खान, मोहन नगर गजियाबाद, अशोक कुमार शुक्ला गुरु रामदास नगर लक्ष्मीनगर दिल्ली, सुरेश उत्तम नगर दिल्ली, मनीष राजवेदी 53 एम– ई 149 श्याम बिहार नजफगढ़ नई दिल्ली, विदास राजवेदी श्याम बिहार नजफगढ़ नई दिल्ली, मनीष कुमार पांडेय पांडेयपुरा अयोध्या, पंकज श्रीवास्तव, धैय श्रीवास्तव, प्रीति श्रीवास्तव सेक्टर 52 फरीदाबाद, जय प्रकाश ए 63 त्यागी एन्कलेव मोहन गार्डन दिल्ली, अनमोल 34 एम सीता कॉलोनी एमपी, रविंद्र कुमार पुरनिया लखनऊ हरेंद्र सिंह, बी–ब्लाक 1457 इकेरा नगर लखनऊ अभिषेक आनंद महालक्ष्मी एंक्लेव नई दिल्ली, ईरम पत्नी मुईन. सुमान पुत्र मुईन कैंपबिल लखनऊ अभिषेक भारती अलीगंज लखनऊ को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। गंभीर घायल अमित शर्मा को आगरा रैफर कर दिया। दुर्घटना का पता लगने पर कुछ घायलों के परिजन अस्पताल आ गए और घायलों को अपने साथ ले गए। पुलिस ने दुर्घटना में घायल लोगों के परिवारीजनों को हादसे की जानकारी दी।

बस हादसे में घायल यात्रियों को स्ट्रेचर पर रखकर जिला अस्पताल के आपात कक्ष में लाते स्वास्थ्यकर्मी।

दो घंटे से अधिक चला राहत ऑपरेशन, लगीं 12 एंबुलेंस

यूनिक समय, मथुरा। यमुना एक्सप्रेस-वे के माइल स्टोन संख्या 111–12 के समीप हुई दुर्घटना का पता लगने पर एसडीआरएफ और फायर ब्रिगेड की टीमों के अलावा आठ पीआरवी और 12 एंबुलेंस भी मौके पर पहुंची। राहत कार्य में लगी टीमों को घायल और मृत लोगों को निकालने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। दुर्घटनाग्रस्त बस में फंसे यात्रियों के शवों को निकालने के लिए कटर का सहारा लेना पड़ा, जिसके बाद शव मुश्किल से निकाले जा सके। इसके बाद घायलों को हॉस्पिटल तक पहुंचने के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। इस पूरे राहत काम में करीब दो घंटे का समय लगा।

हादसे के समय सो रही थी अधिकांश सवारियां

यूनिक समय,मथुरा। बस में यात्रा करते कुछ लोगों ने हादसे का मंजर बताया। लखनऊ से फरीदाबाद के लिए जा रही एक महिला के पति ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ बस में यात्रा कर रहा था। जिस समय हादसा हुआ, उस समय अधिकांश सवारियों सो रही थी। हादसा होने के दौरान तमाम सोती सवारियां सीटों के नीचे गिर गई। यात्रियों ने बस का पीछे का शीशा तोड़ कर निकाला गया। यात्री जितेश ने हादसे के बारे में बताया कि उसके साथ साथी रविंद्र और अभिषेक भी लखनऊ से दिल्ली के लिए जा रहे थे। साढ़े तीन बजे हादसा हुआ। लोगों को संभालने का मौका ही नहीं मिला। हमारी आगे की सीटों पर बैठे लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

कंटेनर में पीछे से आठ फुट तक घुस गई बस

यूनिक समय, मथुरा। एक्सप्रसे- वे पर मंगलवार भोर में हुआ हादसा इतना भीषण था कि वॉल्वो बस का आगे का करीब आठ फीट हिस्सा आगे चल रहे कंटेनर में घुस गया, इससे बस पिचक गई। यह पिचका हिस्सा ही कंटेनर में फंस गया, जिसकी वजह से दुर्घटना के बाद कंटेनर भी बस को काफी दूर तक खींचता हुआ ले गया। बस गोला ट्रैवल्स की बताई है।

हवा में चीखें, सड़क पर बजते रहे सायरन

यूनिक समय, मथुरा। यमुना एक्सप्रेस- वे पर हुए हादसे के बाद काफी समय तक जाम जैसे हालात बने रहे। सड़क पर पुलिस वाहनों और एंबुलेंसों के सायरनों की आवाज गूंजती रही। पुलिस घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचा रही थी। घायलों की चीखें भी प्रातः की फिजा में गूज रही थी। माहौल बड़ा ही भयावह नजर आ रहा था।

इमरजेंसी कॉल पर बुलाया गया चिकित्सकों को

यूनिक समय, मथुरा। यमुना एक्सप्रेस वे पर भीषण हादसे की खबर लगते ही जिला अस्पताल के सीएमएस डा. नीरज अग्रवाल ने सभी चिकित्सकों को तुरंत इमरजेंसी पर आने के निर्देश दिए। इसके साथ ही दवाओं का प्रबंध किया, जिससे घायलों को आते ही तुरंत इलाज दिया जा सके।

दुर्घटना का कारण कंडेक्टर का बस चलाना

यूनिक समय, मथुरा। एसएसपी श्लोक कुमार ने दुर्घटना का कारण प्राथमिक जांच में वॉल्वो बस को चालक के स्थान पर परिचालक द्वारा चलाए जाने और तेज रफ्तार से चलती बस के अनियंत्रित होकर आगे जाते कंटेनर में घुस जाना बताया है।

एक्सप्रेस-वे पर हुए हादसे में घायल यात्री से जानकारी लेते डीएम चंद्रप्रकाश सिंह, साथ हैं एसएसएपी श्लोक कुमार।

डीएम–एसएसपी ने घायलों को देखा बेहतर इलाज का दिया भरोसा

यूनिक समय, मथुरा। यमुना एक्सप्रेस- वे पर मंगलवार भोर में हुए सड़क हादसे में घायल हुए यात्रियों को डीएम चंद्रप्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने जिला अस्पताल जाकर देखा। घायलों से बातचीत कर उन्हें सांत्वना दी। दोनों अधिकरियों ने घायलों के बेहतर इलाज के लिए सीएमएस को निर्देश दिए। जिला अस्पताल से गंभीर घायल यात्रियों प्राथमिक उपचार के बाद एंबुलेंस से आगरा एसएन हॉस्पिटल के लिए भेजा गया।

स्वच्छता को बनाएं आंदोलन,ब्रज को बनाएं स्वच्छ

नेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र। साथ हैं मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप, डीएम सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार, नगर आयुक्त जगप्रवेश, विप्रा उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन।

नेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की गोष्ठी में निकली राय

यूनिक समय, मथुरा। हम स्वच्छता को आंदोलन के रूप में बनाएं और ब्रज को स्वच्छ बनान काम करें। अतिक्रमण खुद ही न करें। कोई भी कार्य कठिन जरूर हो सकता है, लेकिन नामुमकिन नहीं,बस हमारी इच्छाशक्ति उसे करने की होनी चाहिए। स्वच्छता के लिए लगातार प्रयास करते रहना पड़ेगा।

यह बात ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र ने कही। वह नेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज एसोसिएशन द्वारा आयोजित गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। हम सबने यह ठाना है ब्रज को स्वच्छ बनाना है से जुड़ी गोष्ठी नेशनल चैंबर भवन मसानी पर हुई, जिसका शुभारंभ ठाकुर जी के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित, माल्यार्पण कर किया गया। चैंबर अध्यक्ष राजीव बृजवासी ने कहा कि यह सिर्फ प्रशासन की ही नहीं, हम सबकी भी नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि जिस प्रकार हम अपने घर को स्वच्छ रखते हैं अपने ब्रज क्षेत्र को भी स्वच्छ रखें।

हम सबको मिलकर ही सभी चुनौतियों का सामना करते हुए ब्रज के विकास में आगे बढ़ना है। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि हम कूड़ा एकत्रित कर सकते हैं, जिससे आर्गेनिक खाद बन सकती हैं। सफाई कर्मचारियों का सम्मान करें, जिससे उनका उत्साहवर्धन होगा। ब्रज को सभी लोग प्लास्टिक मुक्त बनाने का प्रयास करें। शैलजाकांत मिश्र ने इस दौरान डॉक्यूमेंट्री से साफ- सफाई करने को समझाने का प्रयास किया।

एसएसपी श्लोक कुमार ने कहा कि मथुरा पुलिस हमेशा हर नागरिक के साथ है, शुरुआत हमेशा अपने घर से ही करनी चाहिए। विपुल अग्रवाल, विपिन सिंघल ने चलाए जा रहे प्रोजेक्ट की जानकारी दी। नगर आयुक्त जगप्रवेश ने आभार जताया। संचालन चैंबर के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र हाथीवालों ने किया।

डीआइजी शैलेश कुमार पांडेय ने सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर आयुक्त नागेंद्र प्रताप, एमवीडीए बीसी लक्ष्मी नागप्पन, मुकेश शर्मा, राजीव पांडेय, देवेंद्र चौधरी, प्रमोद कसेरे, प्रदीप अग्रवाल, ऋषभ जैन, अंकित बंसल, अभिषेक विशिष्ठ, तुषार गोयल, दीपक गोयल, पंकज मित्तल, गजानंद अग्रवाल, पवन चतुर्वेदी, महेश खंडेलवाल, मुकेश सिंघल, राजीव नैना, राजकुमार अग्रवाल, सुनील अग्रवाल पवन अग्रवाल, रमन लाल गुप्ता, कन्हैया लाल अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में उद्योगपति, व्यापारी, गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। गोष्ठी शुभारंभ से पहले चैंबर अध्यक्ष राजीव बृजवासी, निवर्तमान अध्यक्ष राजेश बजाज, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रहलाद खंडेलवाल, उपाध्यक्ष तुषार हाथीवाले, कोषाध्यक्ष अमित जैन, पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र हाथीवाले, कृष्ण दयाल अग्रवाल, मंत्री उमेश जुगासना, विशाल अग्रवाल, मनीष शोरावाला ने अतिथियों का स्वागत किया।

सीएमएस डॉ. नीरज और डीटीओ डॉ. संजीव अपर निदेशक पद पर पदोन्नत

सीएमएस डॉ. नीरज अग्रवाल

यूनिक समय, मथुरा। जिला चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नीरज अग्रवाल और जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. संजीव यादव के अपर निदेशक पद पर पदोन्नति होने पर चिकित्सा विभाग में खुशी की लहर दौड़ गई। पदोन्नति की सूचना मिलते ही चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों, सामाजिक संगठनों और शुभचिंतकों ने दोनों अधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। डॉ. नीरज अग्रवाल ने सीएमएस जैसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक दायित्व का निर्वहन करते हुए भी मरीजों की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। व्यस्त प्रशासनिक कार्यों के बावजूद वे नियमित रूप से स्वयं ओपीडी में बैठकर मरीजों का उपचार करते रहे। वहीं, जिला क्षय रोग अधिकारी ने क्षय रोग उन्मूलन अभियान को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पुलिस ने लौटाया पचास हजार रुपये से भरा बैग

यूनिक समय, मथुरा। मांट पुलिस ने एक व्यक्ति का खोया हुआ बैग तलाश करने के बाद उसे सौंप दिया। बैग में पचास हजार रुपये की नकदी और अन्य सामान था।

बताया गया कि कल करीब दस बजे बैग मालिक जबलपुर से अपनी गाड़ी से हरियाणा में एक्स फैक्ट्री का विजिट करने के लिए जा रहे थे। रास्ते में यमुना एक्सप्रेस वे पर फूड प्लाजा पर फ्रेश होने के लिए रुके और बाथरुम जाते समय अपना बैग वहीं रखा भूल गए। टोल कर्मियों ने बैग को बरामद करने के बाद मांट पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने बैग मालिक का पता करने के बाद उनके आने पर बैग उन्हें सौंप दिया। बैग में पचास हजार रुपये की नकदी और अन्य सामान था। बैग मिलने पर मालिक ने धन्यवाद दिया।

ग्राम सचिवालयों में कल से बैठेंगे लेखपाल

यूनिक समय, मथुरा। अब तहसीलों में ही बैठने वाले लेखपाल अब ग्राम सचिवालयों में भी बैठेंगे। राजस्व परिषद ने यह निर्णय ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्व सेवाओं को सुगम बनाने के लिए लिया है। राजस्व परिषद के निर्देश के बाद अब एक जुलाई से सभी ग्राम

राजस्व परिषद ने सेवाओं को सुगम बनाने को लिया निर्णय

डीएम तैयार कराएंगे लेखपालों की उपस्थिति का रोस्टर

सचिवालयों में लेखपालों की नियमित बैठकें होंगी। जिलाधिकारी को लेखपालों की उपस्थिति का रोस्टर तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

राजस्व परिषद की आयुक्त-सचिव कंचन वर्मा की ओर से जारी किए गए आदेश में बताया गया है कि ग्राम सचिवालयों में पंचायत सहायक पहले से ही 10 से अधिक ऑनलाइन राजस्व सेवाएं दे रहे हैं। इनमें जाति, आय, निवास प्रमाणपत्र और खतौनी की नकल शामिल हैं। इन सेवाओं के प्रभावी संचालन में लेखपाल की भूमिका महत्वपूर्ण है। लेखपाल अनेक प्रशासनिक और राजस्व कार्य करते हैं। इनमें तहसील दिवस, वरासत, स्वामित्व योजना और किसान सम्मान निधि जैसे कार्य शामिल हैं। राजस्व परिषद के अनुसार, अभी ग्राम पंचायत स्तर पर लेखपाल के बैठने का कोई तय स्थान नहीं है।

कार की टक्कर से स्कूटी सवार सेल्समैन की मौत

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन–मथुरा मार्ग पर स्कूटी सवार सेल्समैन को तेज गति से दौड़ती कार ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में उसकी मौत हो गई। आशीष कुमार निवासी 135 बी लक्ष्मीपुरम मारुति स्टेट बोदला आगरा पान-मसाला बिक्री करने वाले किसी कंपनी का सेल्समैन था। बताया गया कि वह सोमवार सायं गोवर्धन से ऑर्डर बुक करने के बाद स्कूटी से लौट रहा था। रास्ते में मथुरा– गोवर्धन मार्ग पर तेज गति से आती कार ने स्कूटी को टक्कर मार दी। दुर्घटना में उसकी मौके पर मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

यमुना में डूबने लगे चार युवक गोताखोरों ने बचाई जान

यूनिक समय, वृंदावन। यमुना नदी में मंगलवार को बड़ा हादसा उस समय टल गया, जब नहाने के दौरान चार युवक अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। युवकों को डूबता देख नदी किनारे मौजूद लोगों में अफरा–तफरी मच गई। लोगों ने तुरंत शोर मचाकर गोताखोरों और संबंधित अधिकारियों को सूचना दी। सूचना मिलते ही गोताखोरों की टीम पहुंची। बिना समय गवाएं काफी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने चारों युवकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। समय रहते रेस्क्यू किए जाने से चारों की जान बच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोपहर करीब 12 बजे चार युवक यमुना में नहाने के लिए उतरे थे। गहरे पानी में जाने से पहले घाट पर मौजूद नाविकों ने चारों को पानी में आगे नहीं जाने के लिए समझाया, लेकिन वह सलाह को दरकिनार कर आगे बढ़े और गहरे पानी की ओर चले गए। पानी गहरा होने और गड्ढे होने से वे संतुलन खो बैठे और डूबने लगे।

यमुना से सकुशल बचाए गए भरतपुर निवासी चार युवक।

हम तो चारों मरने आए हैं

यमुना में नहाने को उतरे चारों युवक जैसे ही पानी में आगे बढ़े, तो मौजूद लोगों ने आगे नहीं जाने के लिए समझाया। इस पर भरतपुर के रहने वाले रितिक, गौतम, राज शर्मा और आयुष ने कहा कि वह तो घर वालों से लड़कर यहां मरने को आए हैं। यमुना में डूबने के बाद सकुशल बचाए गए चारों युवकों में से एक के परिजन को घाट पर मौजूद लोगों ने फोन मिलाकर यहां आने की जानकारी मांगी तो भरतपुर की महिला से चारों के वृंदावन जाने की जानकारी होने से इन्कार कर दिया।

चारों को पानी में डूबता देखकर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

वृंदावन में केसी घाट के समीन नहाते समय हुआ हादसा

चारों युवक भरतपुर से मंदिरों के दर्शन को आए थे

शोर होने लगा।

मौजूद लोगों ने बताया कि इसी दौरान चार युवकों के यमुना में डूबने की जानकारी मिलते ही गोताखोर मुकेश आदि मौके पर आ गए और चारों को मशक्कत के बाद यमुना से सुरक्षित निकाल लिया। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि युवकों की हालत अब खतरे से बाहर है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि नदी में नहाते समय पूरी सावधानी बरतें और गहरे पानी में जाने से बचें।

कलयुगी चाचा–ताऊ ने छीना तीन अनाथ बेटियों का हक

न्याय को छाता आई तीन बेटियां।

संवाददाता

यूनिक समय, छाता। रिश्तों को शर्मसार करने और लालच में अपनों का ही हक मारने का एक बेहद संवेदनशील मामला कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत नौगांव से सामने आया है। यहां सगे चाचा और ताऊ ने मिलकर अपनी ही तीन अनाथ भतीजियों का हक छीन लिया, उन्हें पाई–पाई के लिए मोहताज कर बेघर कर दिया। अनाथ बच्चियों की संपत्ति हड़पने के लिए बाकायदा दादा के नाम पर एक फर्जी वसीयत भी तैयार कराई गई। मिली जानकारी के अनुसार, नौगांव निवासी वीरेंद्र की कुछ समय पूर्व मृत्यु हो गई थी। पति की मौत के बाद बेसहारा हुई पत्नी रजनी ने सामाजिक और पारिवारिक परिस्थितियों के चलते दूसरा विवाह कर लिया। वीरेंद्र और रजनी की तीन मासूम बच्चियां हैं, जो पिता की मौत और मां के चले जाने के बाद पूरी तरह अनाथ और असहाय हो गईं। नियम और नैतिकता के आधार पर पिता वीरेंद्र के हिस्से की संपत्ति पर उनकी तीन बेटियों कुमारी, संध्या और चांदनी का हक था, लेकिन बच्चियों के सगे चाचा और ताऊ की नियत संपत्ति को देखकर डोल गई।

फर्जी वसीयत बनाकर किया बेघर, पुलिस से लगाई गुहार

बताया जा रहा है कि बच्चियों के दादा (बाबा) की मृत्यु से पहले ही उनके पिता वीरेंद्र की मौत हो चुकी थी। इस स्थिति का फायदा उठाते हुए चाचा–ताऊने कथित तौर पर एक फर्जी वसीयत मौज नौगांव खसरा संख्या 683 तैयार करवा ली, जिसमें वीरेंद्र के हिस्से को गायब कर पूरी संपत्ति अपने नाम करा ली।

इस धोखाधड़ी के बाद तीनों बच्चियां बेघर हो चुकी हैं। उनके पास न तो रहने के लिए छत बची है और न ही भरण–पोषण का कोई साधन। स्थानीय ग्रामीणों में भी इस बात को लेकर गहरा आक्रोश है कि सगे खून ने ही मासूमों के साथ इतना बड़ा विश्वासघात किया। पीड़ित पक्ष ने प्रशासन और पुलिस के उच्च अधिकारियों से मामले की जांच कर जालसाजों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और बच्चियों को उनका हक दिलाने की गुहार लगाई है।

गृहक्लेश में पति ने पत्नी की गोली मारकर की हत्या

मायके वालों ने रात में किया था हंगामा

पुलिस ने मौके पर पहुंच संभाली स्थिति

फाइल फोटो नेहा

यूनिक समय, मथुरा। थाना सदरबाजार की विष्णुधाम कालोनी में सोमवार रात पति–पत्नी के बीच हुए विवाद में पूर्व सैनिक ने पत्नी की ऑख में रिवाल्वर से गोली मार दी।

गंभीर घायल पत्नी की सैनिक हॉस्पिटल में मौत हो गई। महिला के मायके पक्ष के लोगों को जब इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने हॉस्पिटल के बाहर जमकर हंगामा किया। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने किसी तरह समझा–बुझा कर मामला शांत कराया।

विष्णुधाम कालोनी में रहने वाले सेना से रिटायर्ड चंद्रवीर सिंह के घर पर बीती रात करीब आठ बजे गोली चलने की आवाज से कॉलोनी में सनसनी फैल गई। गोली चंद्रवीर की पत्नी नेहा (40) की आंख में लगी थी। नेहा को परिवार के लोग इलाज के लिए एमएच हॉस्पिटल ले गए। हॉस्पिटल में इलाज के दौरान नेहा की मौत हो गई। इसी दौरान नेहा के मायके थाना राया के गांव गुड़ेरा में भी इस बात का पता लग गया। काफी संख्या में नेहा का मायके वाले एमएच पहुंच गए। मायके के लोगों ने वहां हंगामा किया। हंगामे की खबर लगने पर थाना सदर बाजार पुलिस के अलावा पुलिस के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने रात में उन्हें समझा– बुझा कर मामला शांत कराया। पुलिस ने महिला के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पति पर लगाया नेहा को गोली मारने का आरोप

यूनिक समय, मथुरा। नेहा की हत्या करने का परिवारीजनों ने पति पर आरोप लगाया है, जबकि पति द्वारा बेटे को फंसाए जाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस को इस मामले में तहरीर दी गई है।

पोस्टमार्टम गृह पर मृतका के चचेरे भाई मदन ने बताया कि राजेंद्र सिंह ने बेटी नेहा की शादी 2004 में चंद्रवीर के साथ की थी। सेना से रिटायर्ड होने के बाद औरंगाबाद के विष्णुधाम कॉलोनी में चंद्रवीर ने मकान बना लिया। नेहा के साथ चंद्रवीर अकसर झगड़ा करता था। इसके चलते काफी समय तक नेहा मायके में रही,पंचायत के बाद उसे चंद्रवीर के साथ भेज दिया गया था। नेहा के तीन बच्चे हैं। दो बड़े बेटे और एक बेटी है। रात को चंद्रवीर ने नेहा को गोली

बेटे पर ही लगा रहा पति हत्या का आरोप

मार दी। चंद्रवीर गोली मारने का आरोप अपने छोटे बेटे भूरा पर लगा रहा है, कह रहा है कि उसने ही अपनी मां को गोली मारी है। मदन का सीधा आरोप है कि गोली चंद्रवीर ने मारी और अपने बचने के लिए नाबालिग बेटे भूरा पर आरोप लगा रहा है। पुलिस ने मौके से गोली चलाने वाली पिस्टल बरामद करली है। पिस्टल चंद्रवीर के दोस्त की है। सवाल उठता है कि भूरा पर लोडेड पिस्टल कैसे आई। इस मामले में पुलिस को नेहा के पति सहित अन्य लोगों के खिलाफ सदर बाजार पुलिस को तहरीर दी गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरु कर दी है।

कोर्ट में चल रहे मुकदमे को वापस कराने की कोशिश

यूनिक समय, सुरीर, मथुरा। पति ने अपने साथियों के साथ गांव आकर पत्नी को मुकदमा वापस लेने की धमकी देते हुए कार में जबरन खींचकर डालकर ले जाने का प्रयास किया। शोर करने पर सभी भाग गए। युवती ने इस मामले की तहरीर पुलिस को दी है।

थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती की शादी करीब तीन साल पूर्व मांट थाने के एक गांव के युवक के साथ हुई थी। कुछ दिन बाद ही ससुरालीजनो ने युवती को परेशान करना शुरू कर दिया। दुखी होकर युवती अपने मायके आ गई। ससुरालीजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया था। मुकदमा अब न्यायालय में चल रहा है। सोमवार की रात करीब 11 बजे के लगभग युवती का पति अपने अन्य तीन साथियों के साथ कार में सवार होकर आया और परिजनों को जान से मारने की धमकी देते हुए युवती को खींचकर गाड़ी में डालकर ले जाने का प्रयास किया।

पति ने युवती को जबरन खींचकर ले जाने का किया प्रयास

शोर शराबा सुन आसपास के लोगों को आता देख उक्त युवक गाड़ी लेकर भाग गए। सुरीर पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

मौसम बदलते ही बढ़ीं कान नाक और गले की बीमारियां

मंगलवार का जिला अस्पताल में रजिस्ट्रेशन कराने को लाइन में खड़े मरीज।

जिला अस्पताल में रोज पहुंच रहे 100 तक मरीज

ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. मुस्कान की सलाह कान में सींक या नुकीली चीज न डालें

नहाते समय रखें सावधानी, सर्दी-जुकाम को न करें नजरअंदाज

यूनिक समय, मथुरा। इस मौसम में बदलता तापमान लोगों की सेहत पर भारी पड़ने लगा है। जिला अस्पताल की ओपीडी में इन दिनों कान, नाक और गले के मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है। रोजाना करीब 90 से 100 मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। इनमें सबसे ज्यादा लोग कान में दर्द, खुजली, संक्रमण, गले में खराश, टॉन्सिल, नाक बंद होने और सर्दी-जुकाम जैसी समस्याओं से परेशान हैं। डॉक्टरों का कहना है कि छोटी-सी लापरवाही भी संक्रमण को बढ़ा सकती है, इसलिए समय रहते सावधानी बरतनी चाहिए।

जिला अस्पताल की ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. मुस्कान ने बताया कि प्रतिदिन करीब 50 मरीज कान की

कान की जांच करतीं चिकित्सक डॉ. मुस्कान।

समस्या लेकर अस्पताल आते हैं, जबकि लगभग 25 मरीज गले में संक्रमण, टॉन्सिल और तेज दर्द की शिकायत करते हैं। इसके अलावा कई मरीज नाक बंद होने, एलर्जी और लगातार सर्दी-जुकाम से परेशान होकर उपचार के लिए पहुंच रहे हैं।

उन्होंने बताया कि कान में खुजली होने पर कई लोग सींक, माचिस की तीली, हेयरपिन या अन्य नुकीली वस्तुओं से कान साफ करने लगते हैं। यह आदत बेहद नुकसानदायक है। इससे कान के अंदर की नाजुक त्वचा छिल जाती है और सूजन आ जाती है। नहाते समय कान में पानी चला जाए तो संक्रमण और बढ़ जाता है। कई बार मरीजों को तेज दर्द, कान बहने और सुनने में परेशानी जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

डॉ. मुस्कान ने सलाह दी कि नहाते समय कान में हल्की रुई लगाकर रखें, ताकि पानी अंदर न जाए। नहाने के बाद रुई तुरंत निकाल दें। यदि कान में दर्द, पानी आना, लगातार खुजली या सुनाई कम देने जैसी समस्या हो तो घरेलू इलाज करने के बजाय डॉक्टर से जांच कराएं। उन्होंने बताया कि मौसम में कभी ठंडा तो कभी गर्म खाने-पीने की वजह से भी गले में संक्रमण तेजी से बढ़ता है। इससे गले में खराश, सूजन, दर्द और टॉन्सिल की शिकायत होने लगती है। वहीं लगातार सर्दी-जुकाम रहने पर नाक बंद हो जाती है और उसका असर कानों तक पहुंच सकता है। उन्होंने बताया कि मौसम के अनुसार खान-पान रखें, बहुत ठंडी और बहुत गर्म चीजों से बचें, पर्याप्त पानी पिएं और गले में तकलीफ होने पर गुनगुने नमक वाले पानी से गरारे करें। कान में सींक या कोई नुकीली वस्तु डालने से बचाना चाहिए।

स्व. श्री अशोक कुमार (कपडा वाले)

उठावनी

अत्यंत शोक के साथ सूचित किया जाता है कि श्री अशोक कुमार (पुत्र स्व. श्री राधारमण कपडे वाले) का गोलोकवास दिनांक 29.06.26 को हो गया है जिनकी उठावनी दिनांक 01.07.26 दिन बुधवार को महिलाओं एवं पुरूषों की सायं 4 से 5 बजे तक अग्रवाटिका सरस्वती कुंड मसानी रोड, मथुरा पर होगी।

शोकाकुल

श्रीमती नीता बंसल (धर्मपत्नी) हिमांशु बंसल (पुत्र) महेश चन्द्र, पवन सर्राफ (चैन वाले) (भाई) अखिलेश गौरव, यश (भतीजे) पूनम-गोपालकृष्ण, श्वेता-सौरभ सुरभि-मनोज (पुत्री-दामाद) कनिष्का, गौरी, कार्तिक स्पर्श स्कन्दा, अपेक्षा, विनायक (धेवते-धेवती) सुशीला-कन्हैया, ऊषा-डॉ. कार्ष्णि अशोक अग्रवाल संजय अग्रवाल (बहन-बहनोई) एवं समस्त बंसल परिवार।

फर्मः- बंसल हौजरी

ससुराल पक्षः- धर्मेन्द्र, जितेन्द्र, अजय, विजय (आगरा)

वृंदावन के व्यापारियों ने उठाई सीलिंग रोकने की मांग

व्यापारियों ने मंडलायुक्त को सौंपा ज्ञापन

नियम पूरे करने के लिए दिया जाए समय

प्रमुख संवाददाता

मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप को ज्ञापन देते व्यापार मंडल के अध्यक्ष धनेंद्र अग्रवाल और व्यापारी।

यूनिक समय, वृंदावन। मसानी रोड स्थित नेशनल चैंबर स्थित सभागार में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने होटल, गेस्ट हाउसों की की सीलिंग कार्रवाई को लेकर मंडलायुक्त नागेंद्र प्रताप को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं से अवगत कराया। ज्ञापन में चिंता जताते हुए तत्काल प्रभाव से सीलिंग कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की। व्यापारियों का कहना है कि अचानक की जा रही कार्रवाई से वर्षों से कारोबार कर रहे व्यवसाईयों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल वृंदावन के नगर अध्यक्ष धनेंद्र अग्रवाल 'बॉबी' ने कहा कि होटल, गेस्ट हाउस और रेस्टोरेंट संचालक कानून का पालन करना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि सभी व्यवसाइयों को कम से कम तीन माह का समय दिया जाए, ताकि जो भी आवश्यक प्रक्रिया और औपचारिकताएं हैं, उन्हें पूरा किया जा सके।

पदाधिकारियों ने कहा कि वृंदावन धार्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र है और हजारों परिवार होटल, गेस्ट हाउस और रेस्टोरेंट व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। ऐसे में बिना पर्याप्त समय दिए कार्रवाई होने से व्यापारियों के साथ-साथ पर्यटन व्यवस्था पर भी असर पड़ सकता है। ज्ञापन देने वालों में महामंत्री विजय राघव, बांके बिहारी व्यापार मंडल अध्यक्ष शिवा गौतम और उपाध्यक्ष गिरधारी शर्मा आदि शामिल थे।

जनसुनवाई में पहुंचीं 12 शिकायतें आई

नगर आयुक्त ने अधिकारियों को दिए शीघ्र निस्तारण के निर्देश

भूतेश्वर जोन में सात और वृंदावन जोन में पांच शिकायतें दर्ज

जनसुनवाई में नगर आयुक्त जगप्रवेश, अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह और अन्य अधिकारीगण।

यूनिक समय, मथुरा। आमजन की समस्याओं के प्रभावी समाधान को प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाले 'संभव' (संतुष्टि- समृद्धि) कार्यक्रम के तहत नगर निगम में जनसुनवाई आयोजित की गई। नगर आयुक्त जग प्रवेश ने भूतेश्वर स्थित नगर निगम कार्यालय में स्वयं लोगों की शिकायतें सुनीं, जबकि वृंदावन जोनल कार्यालय में सहायक अपर नगर आयुक्त सीपी पाठक ने जनसुनवाई की।

भूतेश्वर जोन में सात शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें दो शिकायतें स्ट्रीट लाइट, दो अवैध अतिक्रमण और तीन सफाई व्यवस्था से संबंधित थीं। नगर आयुक्त ने सभी शिकायतों का संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए।

इनमें से स्ट्रीट लाइट से जुड़ी दोनों शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। वृंदावन जोन में कुल पांच शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें एक-एक शिकायत जलकल, सफाई, निर्माण कार्य, स्ट्रीट लाइट और अतिक्रमण से संबंधित रही। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी शिकायतों का निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई के दौरान अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, सहायक नगर आयुक्त राकेश कुमार त्यागी, सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक, मुख्य अभियंता (निर्माण) संजय सिंह, कर निर्धारण अधिकारी अरविंद, अधिशासी अभियंता (निर्माण) अमरेंद्र गौतम और सहायक अभियंता (जल) हेमेंद्र गौतम सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दहेज हत्या में पति को नहीं मिली जमानत

यूनिक समय, मथुरा। जिला एवं सत्र न्यायाधीश विकास कुमार ने सुरीर कोतवाली इलाके में दहेज के लिए पत्नी की सहयोगी के साथ मिलकर हत्या करने के आरोपी पति की जमानत खारिज कर दी है।

जिला शास्कीय अधिवक्ता शिवाराम सिंह तरकर ने बताया कि थाना सुरीर इलाके में दहेज के लिए अपने सहयोगी के साथ मिलकर पत्नी की हत्या करने वाले पति कुलदीप ने अपनी जमानत के लिए प्रार्थना पत्र जिला जज के न्यायालय में दिया था। कोर्ट में जिला शासकीय अधिवक्ता ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि अभियुक्त पत्नी की हत्या का मुख्य आरोपी है। इसके साथ ही शादी को सात साल हुए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का भी जिक्र करते हुए न्यायालय को बताया कि रिपोर्ट में हत्या का मामला बताया गया है। जिला जज ने जमानत प्रार्थना पत्र पर बहस सुनने के बाद अभियुक्त की जमानत को खारिज कर दिया।

दो जुलाई से काटी जाएगी दूसरी साइड की सड़क

नई सड़क पर कल भी होगा काम, यातायात रहेगा बाधित

एक ओर से बाइक सवारों के लिए खुलेगा मार्ग

नए बस स्टैंड पुल के एक ओर दीवार बनाने में जुटे मजदूर।

यूनिक समय, मथुरा। नए बस स्टैंड के समीप रेलवे पुल के नीचे चल रहा काम कल भी जारी रहेगा। इसके बाद नई सड़क को बाइक और राहगीरों के निकलने के लिए खोल दिया जाएगा। इसके बाद रेलवे विभाग गुरुवार से दूसरी ओर की सड़क को काटने का काम करेगा। काम पूरा होने के बाद अब तक रेलवे के इस पुल से निकलने वाले नए अनुभव का अहसास भी करेंगे।

रेलवे की ओर से नए बस स्टैंड के समीप पुल पर चौथी और पांचवी लाइन को काम कराया जा रहा है। रेलवे ने इस काम के लिए सात जुलाई तक का समय तय किया है। इस अवधि के दौरान पुल के नीचे दोनों ओर से पुरानी सड़क को काटकर नई बनाने का काम होगा, जबकि पुल के ऊपर लाइन बिछाने के अलावा लोहे का स्ट्रक्चर लगाने का काम किया जाएगा। अब रेलवे ने एक ओर की पुरानी सड़क को काटकर नई बनाने का काम पूरा कर लिया है। गुरुवार से दूसरी ओर की सड़क को काटने और बनाने का काम शुरू होगा।

रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि एक ओर की सड़क को काटकर नई बनाने का काम बुधवार को किया जाएगा।

इसके बाद गुरुवार से नई बनाई सड़क को बाइक और राहगीरों के लिए खोल दिया जाएगा, जबकि दूसरी ओर की सड़क को काटकर नई बनाने का काम कराया जाएगा। काम पूरा होने के बाद पुल की ओर जाने वाली सड़क करीब दो फीट नीचे हो जाएगी। ऐसा होने से बारिश का पानी पुल के नीचे तेजी से नहीं भरेगा, ऐसा होने से लोगों को राहत ही मिलेगी। तय समय में काम पूरा करने को चार दर्जन मजदूर, तमाम मशीनी उपकरण लगे हुए हैं।

तापमान / मौसम

38 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

30 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,40,280

22 कैरेट 1,28,590

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,35,000 प्रति किलो

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

वृंदावन में संस्कार सिटी के लग्जूरियस टॉवर की ग्रैंड लॉन्चिंग

सांसद हेमा मालिनी की सांस्कृतिक प्रस्तुति बनी आकर्षण

संस्कार सिटी के नए लग्जूरियस टॉवर की ग्रैंड लॉन्चिंग के दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में राधा के रूप में मौजूद सांसद हेमा मालिनी।

संस्कार सिटी के नए लग्जूरियस टॉवर की ग्रैंड लॉन्चिंग पर सांसद हेमा मालिनी को सम्मानित करते जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल, साथ में कपिल उपाध्याय, एनके ग्रुप के निदेशक डॉ. विवेक अग्रवाल, मार्तण्ड देव उपाध्याय।

यूनिक समय, वृंदावन। धर्मनगरी में एनके ग्रुप द्वारा विकसित संस्कार सिटी के नए लग्जूरियस टॉवर की ग्रैंड लॉन्चिंग भव्य वातावरण में हुई। सांसद हेमा मालिनी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उनके आगमन पर जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल, एनके ग्रुप के निदेशक कपिल उपाध्याय ने पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत-अभिनंदन किया।

समारोह में सांसद हेमा मालिनी की मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां मुख्य आकर्षण रही। उनकी प्रस्तुति ने उपस्थित अतिथियों का मन मोह लिया और पूरा सभागार देर तक तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। संस्कार सिटी का नया लग्जूरियस टॉवर आधुनिक वास्तुकला, उत्कृष्ट निर्माण गुणवत्ता और विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त है। परियोजना को वृंदावन की आध्यात्मिक गरिमा, आधुनिक जीवनशैली के समन्वय को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। टॉवर में प्रीमियम 3-बीएचके आवास, वीआरएफ एयर कंडीशनिंग सिस्टम, मॉड्यूलर किचन, अत्याधुनिक सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, पर्याप्त पार्किंग, हरित वातावरण और परिवारों की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। कार्यक्रम के दौरान एनके ग्रुप के निदेशक डॉ. विवेक अग्रवाल और मार्तण्ड देव उपाध्याय ने आगंतुकों का स्वागत किया और संस्कार सिटी के नए लग्जूरियस टॉवर की विशेषताओं, आधुनिक सुविधाओं, निर्माण गुणवत्ता और परियोजना की भावी विकास योजनाओं की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि संस्कार सिटी का उद्देश्य केवल आवास उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि लोगों को आधुनिक सुविधाओं के साथ सुरक्षित, शांत-संस्कारयुक्त जीवनशैली प्रदान करना है।

जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल ने कहा कि एनके ग्रुप सदैव गुणवत्ता, विश्वास और ग्राहकों की संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। संस्कार सिटी का यह नया लग्जूरियस टॉवर उसी सोच का परिणाम है,जो वृंदावन में आधुनिक और उत्कृष्ट आवासीय सुविधाओं का नया मानक स्थापित करेगा। एनके ग्रुप के निदेशक कपिल उपाध्याय ने कहा कि कंपनी का उद्देश्य लोगों को विश्वस्तरीय आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए वृंदावन के सुनियोजित विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है। नया टॉवर निवेशकों, गृह खरीदारों के लिए एक विकल्प साबित होगा। कार्यक्रम में शहर के उद्योगपति, व्यवसायी, चिकित्सक, शिक्षाविद, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, निवेशक, विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

लॉन्चिंग समारोह के बाद अतिथियों ने परियोजना का अवलोकन किया और एनके ग्रुप की इस पहल की सराहना करते हुए इसे वृंदावन के रियल एस्टेट क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

मानसून में स्वच्छता पर बीएसए का एक्शन

पाठशालाओं में गंदगी मिली तो निश्चित होगी कार्रवाई

हर स्कूलों में चलाए सफाई अभियान

शौचालय- पेयजल व्यवस्था पर रहेगी नजर

यूनिक समय, मथुरा। मानसून के आने से पहले ही जिले के परिषदीय विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर बीएसए रतन कीर्ति ने अभियान शुरू करा दिया है। सभी खंड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ), एआरपी, प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों को निर्देश दिए हैं कि हर विद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाकर परिसर को पूरी तरह साफ-सुथरा बनाया जाए। चेतावनी दी गई है कि निरीक्षण के दौरान किसी भी विद्यालय में गंदगी या लापरवाही मिली तो जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई तय होगी।

बीएसए ने कहा कि बरसात के मौसम में विद्यालयों में उगी झाड़ियां, लंबी घास, जलभराव और गंदगी बच्चों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। ऐसे हालात मच्छरों के पनपने और डेंगू, मलेरिया जैसी संक्रामक बीमारियों को बढ़ावा देते हैं। इसलिए सभी विद्यालयों को तत्काल साफ-सफाई कर परिसर को सुरक्षित बनाना होगा। उन्होंने कहा कि विद्यालय परिसर की नियमित सफाई, अनावश्यक झाड़ियों और घास की कटाई, बारिश के पानी की निकासी, शौचालयों की स्वच्छता, शुद्ध पेयजल की व्यवस्था और मध्यान्ह भोजन के रसोईघर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

बीएसए ने सभी बीईओ और एआरपी को नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी हर विद्यालय का दौरा कर व्यवस्थाओं की समीक्षा करें और कहीं भी लापरवाही मिलने पर तत्काल रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि एक अच्छा विद्यालय केवल पढ़ाई के लिए ही नहीं, बल्कि स्वच्छ, सुरक्षित और अनुशासित वातावरण के लिए भी पहचाना जाता है। बच्चों का स्वास्थ्य सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कान्हा माखन में लगा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

मरीज की जांच करते हुए डॉक्टर।

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा माखन ग्रुप ऑफ स्कूल्स ने मंगलवार को कान्हा माखन पब्लिक स्कूल सरस्वती कुंड, मसानी लिंक रोड पर नि:शुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया। शिविर में 500 से अधिक लोगों ने विशेषज्ञ चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परामर्श कर विभिन्न जांच की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व न्यायाधीश मुकेश मिश्रा ने दीप प्रज्ज्वलित के साथ करते हुए विद्यालय प्रबंधन की इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना पुण्य कार्य है। शिक्षा के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने की दिशा में विद्यालय का यह प्रयास अनुकरणीय है। मेडिकल कैंप में ईएनटी विशेषज्ञ डॉ.मनीष कुमार जैन, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. अंशुल गुप्ता, रेडियोलॉजिस्ट डॉ. प्रशांत नाथ गुप्ता, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. रितेन गोयल, ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. अंकित अग्रवाल, जनरल फिजिशियन डॉ. अजीत सिकरवार, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. लक्ष्मी कुनियाल, त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. तेजस्विनी शर्मा, जनरल सर्जन डॉ. अंकुर शर्मा, पैथोलॉजिस्ट डॉ. शेली गुप्ता, न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. राघव कुमार और स्त्री-प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. सुरंगना अग्रवाल ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। शिविर में ईसीजी, ब्लड टेस्ट, ब्लड शुगर टेस्ट, ईएनटी एंडोस्कोपी सहित विभिन्न जांच की गई। प्रधानाचार्य प्रमोद शर्मा के निर्देशन में आयोजित इस कैंप का संचालन विद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों के सहयोग से सुव्यवस्थित ढंग से हुआ। इस अवसर पर विद्यालय की प्रबंध समिति के सदस्य सुनील अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, पुनीत अग्रवाल, हिमांशु अग्रवाल, शुभम अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, प्रतीक अग्रवाल और ललित अग्रवाल मौजूद रहे।

आरआईएस के शिक्षक-शिक्षिकाओं को बताए साइबर सुरक्षा के उपाय

शिक्षक-शिक्षिकाओं को साइबर सुरक्षा की जानकारी देते हुए विषय विशेषज्ञ।

छात्र-छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य को तरोताजा रखने के दिए गुर

यूनिक समय, मथुरा। राजीव इंटरनेशनल स्कूल में साइबर सिक्योरिटी और छात्र-छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य विषय पर आयोजित कार्यशाला में साइबर अपराध अन्वेषक विवेक गिरी, राजवर्धन पुरोहित, रामप्रकाश देशवाल और विवेक कुमार सिंह ने अपने अनुभव साझा किए। कार्यशाला का शुभारंभ प्राचार्य नंदिता ढींगरा ने मां सरस्वती पर माल्यार्पण- दीप प्रज्वलित करके किया।

सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एज्यूकेशन नोएडा द्वारा साइबर सिक्योरिटी विषय पर आयोजित कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम में एमिनेंट स्पीकर्स ने सभी टीचर्स को बढ़ते साइबर हमलों और उनसे बचने के उपाय बताए। विशेषज्ञों ने साइबर स्पेस के मूलभूत नियमों की व्याख्या करते हुए जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार, व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा, मजबूत पासवर्ड बनाने, सोशल मीडिया और डिजिटल भुगतान प्लेटफार्मों का उपयोग करते समय सावधानी बरतने पर जोर दिया। कार्यशाला में शिक्षकों को सलाह दी गई कि वे किसी भी गोपनीय जानकारी का जवाब देने या साझा करने से पहले अज्ञात लिंक, ईमेल, अटैचमेंट, क्यूआर कोड और फोन कॉल को सत्यापित जरूर करें, वरना वित्तीय सेपदा और प्रतिष्ठा को गंभीर नुकसान हो सकता है। कार्यशाला में साइबर सेफ्टी एंड सिक्योरिटी, साइबर एथिक्स से जुड़ी समस्याएं, बैंक फ्रॉड, इनफार्मेशन ऑफ टेक्नोलॉजी एक्ट, कंप्यूटर फोरेंसिक जैसे विषयों पर सभी टीचर्स के साथ संवाद स्थापित करते हुए विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण डिजिटल सुरक्षा उपकरणों और प्लेटफार्मों से भी परिचित कराया।

कार्यशाला में शिक्षक-शिक्षिकाओं को छात्र-छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने की भी जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने गुरुजनों को छात्र-छात्राओं का विश्वास जीतकर उन्हें डिप्रेशन में न जाने देने के गुर बताए। विशेषज्ञों ने कहा कि यदि हम विद्यार्थियों पर थोड़ा ध्यान दें, उनका विश्वास जीतें तो बढ़ते हुए आत्महत्या के मामलों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। प्राचार्य नंदिता ढींगरा ने अतिथि वक्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षक-शिक्षिकाओं को उभरते साइबर खतरों के प्रति जागरूक करना, उन्हें व्यक्तिगत, व्यावसायिक दोनों स्तरों पर डिजिटल प्लेटफार्मों के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक ज्ञान प्रदान करना था। यह कार्यशाला ज्ञानवर्धक, व्यावहारिक और आज के डिजिटल युग में अत्यंत प्रासंगिक थी।

स्कूल के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने कहा कि ऐसी कार्यशालाओं से बहुत कुछ सीखा जा सकता है। कार्यशाला में बताए गए सुझावों पर अमल कर शिक्षक-शिक्षिकाएं अपने सिस्टम नेटवर्क और प्रोग्राम को डिजिटल नुकसान से बचा सकते हैं।

ब्रज चिकित्सा संस्थान स्कूल आफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज
(श्री अग्रवाल शिक्षा मण्डल (रजि.) मथुरा द्वारा संचालित)
डॉक्टर्स डे पर देश भर के सभी डॉक्टरों को
ब्रज चिकित्सा संस्थान की तरफ से
DOCTOR'S DAY
की हार्दिक शुभकामनाएं
निदेशक
श्री गौर शरन अग्रवाल (गौरी)
उपनिदेशक
श्री पीयूष मित्तल
दरेसी रोड, मथुरा | Mob: 9412278349, 9997905954

सूरत–वापी सेक्शन पर अगले वर्ष शुरू होगा संचालन

अगले साल दौड़ेगी देश की पहली बुलेट ट्रेन, बढ़ेगी रफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत की पहली बुलेट ट्रेन का इंतजार अब जल्द खत्म होने वाला है। रेल मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार मुंबई–अहमदाबाद हाई–स्पीड रेल परियोजना का पहला चरण वर्ष 2027 में व्यावसायिक संचालन के लिए शुरू कर दिया जाएगा। शुरुआत गुजरात के सूरत और वापी के बीच लगभग 100 किलोमीटर लंबे सेक्शन पर होगी।

मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की कुल लंबाई 508 किलोमीटर है। इसमें 348 किलोमीटर मार्ग गुजरात, 156 किलोमीटर महाराष्ट्र और चार किलोमीटर दादरा एवं नगर हवेली से होकर गुजरेगा।

परियोजना पूरी होने के बाद ट्रेनें 320 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी और मुंबई से अहमदाबाद तक का सफर करीब दो घंटे सात मिनट में पूरा करेंगी।

इस हाई–स्पीड रेल कॉरिडोर पर कुल 12 स्टेशन बनाए जा रहे हैं। इनमें साबरमती, अहमदाबाद, आनंद, वडोदरा, भरूच, सूरत, बिलिमोरा, वापी, बोइसर, विरार, ठाणे और मुंबई शामिल हैं।

अधिकारियों का कहना है कि कॉरिडोर के कई हिस्सों में निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है और पहले चरण की तैयारियां अंतिम दौर में हैं। भारत का यह महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट जापान की शिंकानसेन तकनीक पर आधारित है। इसकी आधारशिला वर्ष 2017 में प्रधानमंत्री

320 किलोमीटर प्रतिघंटा रफ्तार से दौड़ेगी ट्रेन

नरेंद्र मोदी और जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने रखी थी। परियोजना को वर्ष 2023 तक पूरा करने का लक्ष्य था, लेकिन भूमि अधिग्रहण, निर्माण कार्य और अन्य तकनीकी कारणों से इसमें देरी हुई।

रेल मंत्रालय का कहना है कि परियोजना पूरी होने के बाद देश में हाई–स्पीड रेल परिवहन का नया दौर शुरू होगा।

इससे यात्रा का समय काफी कम होगा, आधुनिक रेल सुविधाओं का विस्तार होगा और पश्चिम भारत के प्रमुख शहरों के बीच कनेक्टिविटी को नई गति मिलेगी।

लग्जरी होटल से ज्यादा पसंद हैं गांव और जंगल

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज की तेज रफ्तार जिंदगी में छुट्टियों का मतलब अब तक आलीशान रिसॉर्ट, स्विमिंग पूल, स्पा, बुफे और हर तरह की आधुनिक सुविधाओं से जोड़ा जाता रहा है, लेकिन अब ट्रैवल की दुनिया में एक नया और दिलचस्प ट्रेंड तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जिसे 'रिवर्स वेकेशन' कहा जा रहा है।

इस ट्रेंड में लोग जानबूझकर ऐसी जगहों की ओर जा रहे हैं जहां सुविधाएं सीमित हों, मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट कमजोर हो, और जीवन बेहद सादा और प्राकृतिक हो। पहली नजर में यह अजीब लग सकता है कि लोग आराम छोड़कर ऐसे माहौल के लिए पैसे खर्च कर रहे हैं, लेकिन यही इस ट्रेंड की सबसे बड़ी खासियत है।

रिवर्स वेकेशन का उद्देश्य कठिनाइयों का आनंद लेना नहीं, बल्कि आधुनिक जीवन की लगातार भागदौड़, स्क्रीन टाइम और टेक्नोलॉजी पर निर्भरता से कुछ समय के लिए दूरी बनाना है। लोग कुछ दिनों के लिए डिजिटल दुनिया से कटकर मानसिक शांति और संतुलन हासिल करना चाहते हैं।

यह ट्रेंड खासकर युवाओं, कॉर्पोरेट प्रोफेशनल्स और प्रकृति प्रेमियों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। लोग अब शहरों के शोर–शराबे से दूर गांवों, पहाड़ों और जंगलों में समय बिताना पसंद कर रहे हैं, जहां उन्हें प्रकृति के करीब रहने का मौका मिलता है।

इस अनुभव का सबसे बड़ा लाभ डिजिटल डिटॉक्स माना जा रहा है। मोबाइल और सोशल मीडिया से दूरी मानसिक तनाव को कम करने में मदद करती है और नींद की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। साथ ही, यह ट्रैफिक, प्रदूषण और भीड़भाड़ से दूर एक शांत माहौल प्रदान करता है।

कई लोग इस ट्रेंड को "रीसेट बटन" की तरह देखते हैं, जहां वे अपने जीवन की छोटी–छोटी सुविधाओं को फिर से समझ पाते हैं। साफ पानी, बिजली और इंटरनेट जैसी चीजों का महत्व उन्हें नए सिरे से महसूस होता है।

यही कारण है कि रिवर्स वेकेशन अब सिर्फ एक ट्रैवल ट्रेंड नहीं, बल्कि लोगों के लिए मानसिक सुकून और आत्म–खोज का नया तरीका बनता जा रहा है।

दो साल से छोटे बच्चों को मोबाइल से दूर रखें

ये आदत छीन सकती है बोलने की क्षमता

डॉक्टरों की बड़ी चेतावनी

यूनिक समय, नई दिल्ली। आजकल छोटे बच्चे के रोते ही कई माता–पिता उन्हें चुप कराने के लिए मोबाइल फोन या टैबलेट दे देते हैं। कुछ ही सेकंड में बच्चा स्क्रीन में खो जाता है और रोना बंद कर देता है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यह आदत बच्चे के विकास के लिए गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है। ब्रिटेन की चार यूनिवर्सिटी के शोधकताओं की स्टडी के अनुसार, 2 साल से कम उम्र के बच्चों को किसी भी तरह की स्क्रीन से दूर रखना चाहिए। इस उम्र में मोबाइल या टैबलेट का कोई खास फायदा नहीं होता, लेकिन इसके नुकसान लंबे समय तक असर डाल सकते हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि कम उम्र में स्क्रीन देखने वाले बच्चों में भाषा सीखने की क्षमता धीमी हो सकती है। ऐसे बच्चे माता–पिता से बातचीत करने की बजाय स्क्रीन में ज्यादा रुचि लेने लगते हैं, जिससे बोलने में देरी और 'मम्मी–पापा' जैसे शब्द देर से सीखने की समस्या हो सकती है।

इसके अलावा ज्यादा स्क्रीन टाइम बच्चों के भावनात्मक विकास को भी प्रभावित कर सकता है। वे रोने या परेशान होने पर माता–पिता की बजाय मोबाइल पर निर्भर होने लगते हैं, जिससे इमोशनल बॉन्ड कमजोर पड़ सकता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, स्क्रीन की अधिकता नींद पर असर डालती है, शारीरिक गतिविधि कम करती है और आगे चलकर मोटापे का खतरा भी बढ़ा सकती है। इसलिए माता–पिता को बच्चों को मोबाइल से दूर रखकर उनके साथ बातचीत, खेल और प्राकृतिक गतिविधियों पर ध्यान देना चाहिए।

अगर बच्चा खाने से कर रहा है परहेज

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आपका बच्चा खाने का नाम सुनते ही मना करने लगे या सिर्फ कुछ ही चीजें खाए, तो इसे सिर्फ जिद या नखरा समझकर नजरअंदाज न करें। यह नाम की एक गंभीर खानपान और मानसिक स्थिति हो सकती है।

इस बीमारी में बच्चा किसी खास स्वाद, गंध, रंग या पहले के बुरे अनुभव के कारण कई तरह के भोजन से दूरी बनाने लगता है। धीरे–धीरे इसका असर उसके वजन, लंबाई, दिमागी विकास और मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, अगर समय रहते पहचान न हो तो बच्चों में पोषण की भारी कमी हो सकती है, और कुछ मामलों में सप्लीमेंट या थेरेपी की जरूरत भी पड़ सकती है।

हाल के अध्ययनों में पाया गया है कि फैमिली–बेस्ड और मोटिवेशनल थेरेपी से बच्चों में सुधार देखा गया है।

चिपचिपी गर्मी में कूलर से क्यों आती है उमस भरी हवा

जानें सही इस्तेमाल और वाटर पंप बंद करने का सही समय

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मी के मौसम में कूलर लोगों के लिए सबसे सस्ता और असरदार राहत का साधन माना जाता है, लेकिन जैसे ही मौसम में उमस बढ़ती है, यही कूलर कई बार ठंडी हवा देने के बजाय चिपचिपी और भारी हवा फेंकने लगता है। इससे लोग परेशान हो जाते हैं और अक्सर शिकायत करते हैं कि कूलर ठीक से काम नहीं कर रहा।

असल में, कूलर वाष्पीकरण के सिद्धांत पर काम करता है। कूलर के पैड पर पानी गिरता है और जब हवा उसमें से गुजरती है, तो पानी वाष्प बनकर हवा को ठंडा करता है। लेकिन जब वातावरण में पहले से ही नमी बहुत ज्यादा होती है, तो हवा और पानी का यह संतुलन बिगड़ जाता है। ऐसे में कूलर अतिरिक्त नमी नहीं सोख पाता और कमरे में ठंडी हवा की जगह भारी, गीली और चिपचिपी हवा भरने लगती है। विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसे मौसम में कूलर का सही इस्तेमाल समझना बेहद जरूरी है। सबसे पहले कमरे में वेंटिलेशन यानी हवा का सही प्रवाह बनाए रखना चाहिए। अगर कमरे में खिड़की–दरवाजे बंद रहते हैं तो नमी और ज्यादा बढ़ जाती है, जिससे कूलर का असर उल्टा पड़ सकता है।

अगर इसके बावजूद उमस महसूस हो रही हो, तो तुरंत कूलर का वाटर पंप बंद कर देना चाहिए और केवल फैन मोड में कूलर चलाना चाहिए। इससे पैड पर पानी नहीं गिरेगा और कूलर सिर्फ हवा फेंकेगा, जिससे कमरे में मौजूद नमी कम महसूस होगी और हवा हल्की लगेगी।

कई लोग गलती से उमस भरे मौसम में लगातार पानी सप्लाई चालू रखते हैं, जिससे कमरे में ह्यूमिडिटी और बढ़ जाती है। इसके बजाय मौसम के अनुसार सेटिंग बदलना जरूरी है। कभी–कभी कूलर को खिड़की के पास रखना भी बेहतर एयर सर्कुलेशन में मदद करता है। घर के अंदर आरामदायक माहौल बनाया जा सकता है।

एलपीजी, आधार और रेलवे नियमों में बदलाव

एक जुलाई से बदलेंगे कई नियम, बढ़ेगी जिम्मेदारी और सुविधा

क्रडिट कार्ड, वाहन खरीद भी होंगे प्रभावित

यूनिक समय, नई दिल्ली। एक जुलाई से देशभर में कई महत्वपूर्ण नियमों में बदलाव लागू होने जा रहे हैं, जिनका असर आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ सकता है। एलपीजी कनेक्शन, आधार कार्ड, रेलवे, क्रेडिट कार्ड, आयकर रिटर्न और वाहन खरीद समेत कई क्षेत्रों में नए प्रावधान प्रभावी होंगे। एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए केवाईसी और दोहरे कनेक्शन से जुड़े नियम सख्त हो सकते हैं। आधार कार्ड में ईमेल अपडेट की सुविधा आसान होने की संभावना है।

रेलवे बिना टिकट यात्रा पर सख्ती बढ़ा सकता है, जबकि 31 जुलाई तक आयकर रिटर्न दाखिल करना आवश्यक रहेगा।

इसके अलावा कुछ बैंकों के क्रेडिट कार्ड पर रिवॉर्ड प्वाइंट और एयरपोर्ट लाउंज से जुड़े नियम बदलेंगे। कई ऑटो कंपनियां वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी कर सकती हैं।

वहीं, पेट्रोल–डीजल आपूर्ति और इलेक्ट्रिक वाहन नीति से जुड़े नए प्रावधान भी लागू होने की संभावना है। ऐसे में लोगों को नए नियमों की जानकारी पहले से रखना जरूरी होगा, ताकि किसी तरह की असुविधा से बचा जा सके।

कम उम्र में ही क्यों कमजोर हो रहे हैं पैर

यूनिक समय, नई दिल्ली। आजकल युवाओं में पैरों में दर्द, सूजन और चलने–फिरने में परेशानी की समस्या तेजी से बढ़ रही है। मेदांता गुरुग्राम के वैस्कुलर सर्जन डॉ. राजीव परख के अनुसार इसके पीछे कई लाइफस्टाइल कारण जिम्मेदार हैं। सबसे बड़ा कारण तंबाकू का सेवन है, जिससे नसें सख्त होकर ब्लड सप्लाई प्रभावित होती है। वहीं, जंक फूड और ज्यादा तला–भुना खाने से वजन बढ़ता है, जिससे पैरों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और सूजन आने लगती है। लगातार बैठे रहना और कम शारीरिक गतिविधि भी पैरों की मांसपेशियों को कमजोर कर देती है। गलत जूते–चप्पल और विटामिन बी12 व सी की कमी भी इस समस्या को बढ़ा सकती है। डॉक्टरों के अनुसार समय–समय पर चलना–फिरना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाना बेहद जरूरी है।

मानसून में बढ़ जाता है यूरिन इन्फेक्शन का खतरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। मानसून का मौसम जहां गर्मी से राहत देता है, वहीं यह कई स्वास्थ्य समस्याओं को भी बढ़ा देता है। इस दौरान नमी, पसीना और स्वच्छता में कमी के कारण यूरिन इंफेक्शन का खतरा तेजी से बढ़ जाता है। अगर समय पर इसका इलाज न किया जाए, तो संक्रमण किडनी तक पहुंचकर गंभीर स्थिति पैदा कर सकता है। फोर्टिस हॉस्पिटल के नेफ्रोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. योगेश कुमार छाबड़ा के अनुसार इस मौसम में कुछ आसान सावधानियां अपनाकर यूरिन इंफेक्शन से बचा जा सकता है और किडनी को स्वस्थ रखा जा सकता है।

डॉक्टरों के मुताबिक, दिनभर पर्याप्त पानी पीना बेहद जरूरी है, क्योंकि इससे शरीर से बैक्टीरिया बाहर निकलते हैं। गीले या पसीने वाले कपड़ों को लंबे समय तक न पहनें और हमेशा साफ, सूती अंडरगारमेंट्स का इस्तेमाल करें।

व्यक्तिगत स्वच्छता का ध्यान रखना भी जरूरी है। पेशाब को लंबे समय तक रोकना नहीं चाहिए और किसी भी तरह की जलन, बदबूदार पेशाब या बार–बार पेशाब आने जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

संतुलित डाइट, हरी सब्जियां और मौसमी फल किडनी को मजबूत रखते हैं, जबकि जंक फूड और ज्यादा नमक से बचना चाहिए। डायबिटीज के मरीजों को अपना ब्लड शुगर कंट्रोल में रखना और भी जरूरी है।

समय पर सावधानी और इलाज से यूरिन इंफेक्शन से बचाव संभव है और किडनी को लंबे समय तक स्वस्थ रखा जा सकता है।

सुविचार

टूटकर भी लोग मुस्कुराना सीख जाते हैं।

कल का पंचांग

तिथि	द्वितीया	07:38-09:38 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा	06:51-09:27 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय		5:32 AM	चन्द्रोदय	08:34 PM
सूर्यास्त		7:14 PM	चंद्रास्त	07:14 AM
सूर्य राशि		मिथुन राशि	चंद्र	धनु राशि
शुभ मुहूर्त			ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		12:23 PM: 02:05 PM	वार	बुधवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेषः आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यापार में नए अवसर मिलेंगे। परिवार का सहयोग रहेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें, स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृषभः नौकरी में जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। मित्रों से लाभ मिलेगा। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें।

मिथुनः रुके कार्य पूरे होंगे। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। नई योजना लाभ देगी। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे।

कर्कः परिवार में खुशियां आएंगी। धन लाभ के योग बनेंगे। कार्यक्षेत्र में सम्मान मिलेगा। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें।

सिंहः नेतृत्व क्षमता का लाभ मिलेगा। व्यापार में विस्तार संभव है। निवेश सोच-समझकर करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्याः मेहनत का पूरा फल मिलेगा। नौकरी में प्रगति होगी। आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग बना रहेगा।

तुलाः नए लोगों से संपर्क लाभदायक रहेगा। व्यापार में मुनाफा होगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा।

वृश्चिकः कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। धन संबंधी मामलों में सफलता मिलेगी। तनाव से दूरी बनाए रखें।

धनुः यात्रा के योग बन रहे हैं। करियर में नए अवसर मिलेंगे। विद्यार्थियों के लिए दिन शुभ रहेगा। खर्च नियंत्रित रखें।

मकरः पुराने निवेश से लाभ मिल सकता है। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कुंभः नई योजना पर काम शुरू कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। विवादों से बचें।

मीनः धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। व्यापार में लाभ होगा। परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। सकारात्मक सोच बनाए रखें।

धन कमाने में माहिर मानी जाती हैं यह तीन राशियां

इन राशियों में जन्मजात होता है बिजनेस का हुनर

मेहनत के साथ भाग्य भी निभाता अहम भूमिका

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार प्रत्येक राशि का अपना अलग स्वभाव और कार्य करने का तरीका होता है। कुछ राशियों के लोगों में नेतृत्व क्षमता, जोखिम उठाने का साहस और निर्णय लेने की योग्यता अधिक मानी जाती है। ऐसी मान्यता है कि ये गुण उन्हें व्यापार के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद कर सकते हैं। हालांकि ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि केवल राशि के आधार पर किसी व्यक्ति की सफलता तय नहीं की जा सकती, बल्कि जन्मकुंडली, ग्रहों की स्थिति, मेहनत और सही निर्णय भी उतने ही महत्वपूर्ण होते हैं। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार मेष, सिंह और वृश्चिक राशि के जातकों में व्यवसाय करने की स्वाभाविक क्षमता अधिक देखी जाती है। यदि ये लोग सही योजना और मेहनत के साथ अपना कारोबार शुरू करें, तो उन्हें अच्छे परिणाम मिलने की संभावना मानी जाती है।

मेष राशि का स्वामी मंगल ग्रह है, जिसे साहस, ऊर्जा और नेतृत्व का प्रतीक माना जाता है। इस राशि के लोग नए अवसरों को पहचानने और जोखिम उठाने से नहीं घबराते। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी आत्मविश्वास के साथ निर्णय लेने की उनकी क्षमता व्यापार में लाभदायक मानी जाती है।

सिंह राशि का स्वामी सूर्य है, जो नेतृत्व और प्रतिष्ठा का कारक माना जाता है। इस राशि के लोग बड़ी सोच रखने वाले होते हैं और अपने काम को नई पहचान दिलाने का प्रयास करते हैं। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार नौकरी के साथ शुरू किया गया व्यवसाय भी इन्हें आगे बढ़ने का अवसर दे सकता है।

वृश्चिक राशि का स्वामी भी मंगल ग्रह है। इस राशि के जातकों की विशेषता उनकी गहरी सोच, मजबूत रणनीति और कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने की क्षमता मानी जाती है। लंबी अवधि की योजना बनाकर लगातार काम करना इनके प्रमुख गुणों में शामिल है, जो व्यापार में सफलता दिलाने में सहायक माने जाते हैं।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

ज्योतिष विशेषज्ञों का कहना है कि व्यवसाय में सफलता केवल राशि पर निर्भर नहीं करती। सही समय पर लिया गया निर्णय, अनुभव, निरंतर मेहनत, सकारात्मक सोच और अनुकूल परिस्थितियां भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसलिए कोई भी बड़ा व्यवसाय शुरू करने से पहले विशेषज्ञ की सलाह और अपनी पूरी जन्मकुंडली का विश्लेषण कराना अधिक उचित माना जाता है।

सही दिशा में भोजन करने से आती है सुख-समृद्धि

जमीन पर भोजन करने से मिलते हैं कई शुभ लाभ

यूनिक समय, मथुरा। भोजन केवल भूख मिटाने का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीय परंपरा में इसे ऊर्जा, स्वास्थ्य और समृद्धि से भी जोड़ा गया है। वास्तु शास्त्र में घर की दिशा और सजावट के साथ-साथ भोजन करने के स्थान, दिशा और तरीके को भी महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि सही नियमों का पालन करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और व्यक्ति का स्वास्थ्य भी बेहतर रहता है।

वास्तु और आयुर्वेद के अनुसार जमीन पर पालथी मारकर, यानी सुखासन में बैठकर भोजन करना सबसे उत्तम माना गया है। इससे पाचन तंत्र बेहतर रहता है, शरीर का संतुलन बना रहता है और मन भी शांत रहता है। हालांकि, सीधे फर्श पर बैठकर भोजन करने की सलाह नहीं दी जाती। इसके लिए सूती, ऊनी या कुशा के आसन का उपयोग शुभ माना गया है। साथ ही भोजन की थाली को सीधे जमीन पर रखने के बजाय छोटी चौकी या स्टैंड पर रखना बेहतर माना जाता है।

यदि घर में डाइनिंग टेबल पर भोजन किया जाता है, तो उसके लिए भी कुछ वास्तु नियम बताए गए हैं। डाइनिंग टेबल का आकार आयताकार या चौकोर होना शुभ माना जाता है। वहीं, डाइनिंग रूम या टेबल को घर की पश्चिम या दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखना लाभकारी माना गया है। भोजन करते समय मुख पूर्व या उत्तर दिशा की ओर होना शुभ माना जाता है। कुछ मान्यताओं के अनुसार डाइनिंग टेबल के सामने ऐसा दर्पण लगाना, जिसमें भोजन दिखाई दे, अन्न और धन की वृद्धि का प्रतीक माना जाता है।

वास्तु शास्त्र में दक्षिण दिशा की ओर मुख करके भोजन करने से बचने की सलाह दी गई है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह दिशा पितरों और यम की दिशा मानी जाती है। हालांकि, ये सभी मान्यताएं पारंपरिक विश्वासों पर आधारित हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण बात संतुलित आहार, स्वच्छता और शांत वातावरण में भोजन करना है, जिससे शरीर और मन दोनों स्वस्थ रह सकें।

ठाकुर राधा दामोदर मंदिर में मनाया गया जलयात्रा उत्सव

जलयात्रा उत्सव के दौरान सजा फूल बंगला में विराजमान ठाकुर राधा दामोदर लाल।

यूनिक समय, वृंदावन । ठाकुर राधा दामोदर मंदिर में जलयात्रा महोत्सव मनाया गया। ज्येष्ठ मास की भीषण गर्मी से आराध्य देव को शीतलता और राहत प्रदान करने के लिए आयोजित इस उत्सव में देश-विदेश से आए हजारों श्रद्धालुओं ने ठाकुर जी के अलौकिक दर्शन कर पुण्य लाभ कमाया। मंदिर के सेवायत निताई गोस्वामी ने बताया कि आज के इस उत्सव को मंदिर के सेवायत आचार्य तरुण गोस्वामी के सानिध्य में मनाया गया। मंदिर के गर्भगृह और प्रांगण में पानी के फव्वारे लगाए गए, जिससे गिरती जल की बूंदों ने समूचे वातावरण को दिव्य और खुशनुमा बना दिया। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर राधा दामोदर की जय और राधे-राधे के जयकारों से गुंजायमान हो उठा।

हनुमान जी को पान चढ़ाने से बढ़ती है सकारात्मक ऊर्जा

यूनिक समय, मथुरा। भगवान हनुमान की पूजा को संकटों से मुक्ति, साहस और आत्मविश्वास का प्रतीक माना जाता है। मंगलवार और शनिवार को श्रद्धालु उन्हें सिंदूर, चमेली का तेल, लाल फूल और बूंदी के लड्डू अर्पित करते हैं। इसी बीच एक सवाल अक्सर सामने आता है कि क्या हनुमान जी को पान चढ़ाना भी शुभ माना जाता है? धार्मिक मान्यताओं और ज्योतिषीय दृष्टि से इसका उत्तर हां है, लेकिन इसके लिए कुछ नियमों का पालन करना आवश्यक बताया गया है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार हनुमान जी को मंगल ग्रह का कारक और शनि देव का प्रिय भक्त माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि श्रद्धा और विधि-विधान से पान अर्पित करने से व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। विशेष रूप से जिन लोगों की कुंडली में मंगल कमजोर हो, शनि की साढ़ेसाती या ढैया चल रही हो अथवा राहु-केतु से संबंधित दोष हों, वे मंगलवार या शनिवार को यह उपाय कर सकते हैं। हालांकि इसका फल व्यक्ति की आस्था, कर्म और जीवनशैली पर भी निर्भर माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार हनुमान जी को हमेशा सादा पान ही अर्पित करना चाहिए। पान में तंबाकू, गुटखा या किसी भी प्रकार का नशे वाला पदार्थ नहीं होना चाहिए। कई श्रद्धालु इसमें लौंग, इलायची, सौंफ या गुलकंद रखकर भी अर्पित करते हैं। पूजा से पहले हनुमान जी को सिंदूर और चमेली का तेल अर्पित करें, फिर दोनों हाथों से श्रद्धापूर्वक पान चढ़ाते हुए हनुमान चालीसा या बजरंग बाण का पाठ करें। धार्मिक विद्वानों के अनुसार पान अर्पित करते समय कुछ सावधानियां भी जरूरी हैं। बासी, फटा या खराब पान कभी नहीं चढ़ाना चाहिए। पूजा दिखावे के लिए नहीं, बल्कि श्रद्धा और एकाग्र मन से करनी चाहिए। यदि संभव हो तो पूजा के बाद जरूरतमंदों को भोजन कराना या बंदरों को फल खिलाना भी शुभ माना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि पूजा-पाठ और धार्मिक उपाय मानसिक शांति, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच को बढ़ाने का माध्यम हो सकते हैं, लेकिन इन्हें मेहनत, अच्छे कर्म और सही निर्णय का विकल्प नहीं माना जाना चाहिए। सच्ची श्रद्धा, अनुशासित जीवन और सकारात्मक व्यवहार के साथ किए गए धार्मिक कार्य ही अधिक सार्थक माने जाते हैं।

सम्पादकीय

कमीशनखोरी से नहीं, गुणवत्ता से बचेगी हर जिंदगी

उत्तर प्रदेश देश की सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य है। यहां हर दिन लाखों मरीज सरकारी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और जिला चिकित्सालयों पर भरोसा करते हैं। ऐसे में यदि चिकित्सा उपकरणों और दवाओं की खरीद में पारदर्शिता पर सवाल उठने लगें, तो यह केवल किसी एक राज्य की समस्या नहीं रह जाती, बल्कि पूरे स्वास्थ्य तंत्र के लिए चेतावनी बन जाती है। राजस्थान में आईसीयू मॉनिटरों की खरीद को लेकर उठे विवाद ने उत्तर प्रदेश के लिए भी एक अहम सबक छोड़ दिया है।

पवन गौतम
संपादक

आईसीयू में भर्ती मरीज की जिंदगी काफी हद तक मॉनिटर, वेंटिलेटर और अन्य जीवनरक्षक उपकरणों पर निर्भर होती है। यदि ये उपकरण सही जानकारी न दें, तो उपचार भी प्रभावित हो सकता है। इसलिए अस्पतालों में खरीदी जाने वाली हर मशीन केवल एक सरकारी सामान नहीं, बल्कि किसी की जिंदगी बचाने का माध्यम होती है। ऐसे में खरीद प्रक्रिया में जरा-सी लापरवाही भी गंभीर परिणाम ला सकती है। उत्तर प्रदेश ने पिछले कुछ वर्षों में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाने, जिला अस्पतालों को आधुनिक बनाने और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर बड़ा निवेश किया है। लेकिन केवल नए भवन और नई मशीनें ही पर्याप्त नहीं हैं। सबसे महत्वपूर्ण है कि खरीदे गए उपकरण गुणवत्तापूर्ण हों, उनकी नियमित जांच हो और पूरी खरीद प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहे। यदि कहीं भी कमीशनखोरी या मिलीभगत को जगह मिलती है, तो करोड़ों रुपये का निवेश भी मरीजों को अपेक्षित लाभ नहीं दे पाएगा।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

राज्य में पहले भी दवाओं की गुणवत्ता और सरकारी खरीद को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। इसलिए अब जरूरत केवल कार्रवाई की नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाने की है, जहां तकनीकी समितियों की जवाबदेही तय हो, प्रत्येक उपकरण का स्वतंत्र गुणवत्ता परीक्षण अनिवार्य हो और खरीद प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल व पारदर्शी बने।

सरकारी अस्पताल गरीब और मध्यम वर्ग की सबसे बड़ी उम्मीद हैं। यहां आने वाला मरीज इलाज के साथ भरोसा भी चाहता है। इसलिए उत्तर प्रदेश को स्वास्थ्य क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों के साथ-साथ खरीद व्यवस्था को भी पूरी ईमानदारी और सख्ती से मजबूत करना होगा। क्योंकि अस्पतालों में कमीशन की नहीं, गुणवत्ता की संस्कृति ही सबसे बड़ा उपचार है।

नजरिया

अभियानों से नहीं,व्यवस्था से बदलेगा उत्तर प्रदेश यातायात

बोध प्रकाश सगुणी

सरकारी तंत्र में एक पुरानी परंपरा है। जब किसी समस्या पर सवाल उठने लगते हैं तो उसका सबसे आसान जवाब होता है-विशेष अभियान। सड़कों पर अतिक्रमण बढ़ जाए तो अभियान, अपराध बढ़ जाए तो अभियान, अवैध खनन हो तो अभियान और यातायात नियमों की अनदेखी होने लगे तो भी अभियान। कुछ दिनों तक पूरा प्रशासन सड़क पर दिखाई देता है। पुलिस चौक-चौराहों पर मुस्तैद रहती है, चालान की संख्या बढ़ जाती है, अपराधियों की धरपकड़ तेज हो जाती है और अगले दिन सरकारी आंकड़े उपलब्धियों का बखान करने लगते हैं। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या कानून केवल अभियान के दिनों में ही जागता है?

उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में यह सवाल और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। यहां हर दिन करोड़ों लोग सड़क पर निकलते हैं। राजधानी लखनऊ से लेकर नोएडा, गाजियाबाद, कानपुर, आगरा, प्रयागराज, वाराणसी, मेरठ और गोरखपुर तक वाहनों का दबाव लगातार बढ़ रहा है। सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में एक्सप्रेस-वे और आधुनिक सड़कों का विशाल नेटवर्क तैयार किया है। बेहतर सड़कें निश्चित रूप से विकास का संकेत हैं, लेकिन सड़क सुरक्षा केवल चौड़ी सड़कों से नहीं आती। इसके लिए चौबीस घंटे सक्रिय और निष्पक्ष व्यवस्था चाहिए। उत्तर प्रदेश में भी समय-समय पर विशेष ट्रैफिक अभियान चलाए जाते हैं। हेलमेट चेकिंग, सीट बेल्ट अभियान, ओवरलोड वाहनों के खिलाफ कार्रवाई, शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर सख्ती और ई-चालान अभियान जैसे कार्यक्रम नियमित रूप से घोषित होते हैं। इन अभियानों के दौरान हजारों चालान काटे जाते हैं और करोड़ों रुपये का जुर्माना वसूला जाता है। लेकिन कुछ दिन बाद वही पुरानी तस्वीर लौट आती है। चौराहों पर ट्रिपल राइडिंग, गलत दिशा में दौड़ते वाहन, मोबाइल पर बात करते हुए ड्राइविंग और लालबत्ती की अनदेखी फिर सामान्य दृश्य बन जाते हैं।

यह स्थिति बताती है कि समस्या नियमों की कमी नहीं, बल्कि उनके निरंतर पालन की है। कानून तभी प्रभावी होता है, जब उसका पालन हर दिन और हर व्यक्ति पर समान रूप से लागू हो। यदि नागरिकों को यह भरोसा हो जाए कि पुलिस केवल विशेष अभियान में ही सख्ती करेगी, तो वे भी नियमों को स्थायी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि अस्थायी परेशानी समझने लगते हैं। उत्तर प्रदेश सड़क दुर्घटनाओं के मामले में लंबे समय से चुनौती का सामना कर रहा है। तेज रफ्तार, ओवरलोडिंग, शराब पीकर वाहन चलाना और लापरवाही से ड्राइविंग आज भी दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण हैं। हर वर्ष हजारों परिवार किसी न किसी सड़क हादसे में अपना प्रियजन खो देते हैं। इनमें से अधिकांश हादसे

ऐसे होते हैं जिन्हें थोड़ी सावधानी और नियमित निगरानी से रोका जा सकता था। इसलिए सड़क सुरक्षा को केवल पुलिस की कार्रवाई तक सीमित नहीं रखा जा सकता।

सबसे अधिक चिंता नशे में वाहन चलाने वालों को लेकर है। शराब पीकर वाहन चलाना केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि दूसरे लोगों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ है। त्योहारों या विशेष अवसरों पर पुलिस अभियान चलाकर ऐसे लोगों को पकड़ती है, लेकिन नियमित दिनों में ऐसी जांच बहुत कम दिखाई देती है। यदि प्रत्येक जिले में हर दिन ब्रीथ एनालाइजर से जांच हो और दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई हो, तो इस प्रवृत्ति पर काफी हद तक रोक लगाई जा सकती है। यातायात व्यवस्था की एक और कमजोरी चयनात्मक कार्रवाई भी है। आम नागरिक का चालान तुरंत हो जाता है, लेकिन प्रभावशाली लोगों के वाहनों पर अक्सर कानून की सख्ती कम दिखाई देती है। बिना नंबर प्लेट, अवैध हूटर, काली फिल्म और नियमों की खुलेआम अनदेखी करने वाले कई वाहन लंबे समय तक सड़कों पर चलते रहते हैं। जब कानून सबके लिए समान नहीं दिखता, तो उसका सम्मान भी कम होने लगता है। कानून की असली ताकत उसके निष्पक्ष और समान अनुपालन में होती है। सिर्फ पुलिस को दोष देना भी उचित नहीं होगा। सड़क सुरक्षा में नगर निकायों, लोक निर्माण विभाग, परिवहन विभाग और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कई स्थानों पर टूटे हुए डिवाइडर, खराब स्ट्रीट लाइट, अंधे मोड़, अवैध कट, अतिक्रमण और अस्पष्ट संकेतक दुर्घटनाओं को बढ़ावा देते हैं। यदि सड़क की डिजाइन ही सुरक्षित नहीं होगी, तो केवल चालान काटने से दुर्घटनाएं नहीं रुकेंगी। उत्तर प्रदेश ने तकनीक के उपयोग में उल्लेखनीय प्रगति की है। ई-चालान, सीसीटीवी कैमरे, इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम और डायल-112 जैसी व्यवस्थाओं ने पुलिसिंग को आधुनिक बनाया है। लेकिन तकनीक तभी प्रभावी होगी, जब उसका उपयोग निरंतर और ईमानदारी से हो। कैमरे केवल चालान भेजने का माध्यम न बनें, बल्कि दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की निगरानी, ट्रैफिक प्रबंधन और अपराध नियंत्रण में भी पूरी क्षमता से उपयोग किए जाएं। अपराध नियंत्रण के संदर्भ में भी अभियान आधारित सोच पर पुनर्विचार की जरूरत है। जब विशेष अभियान में बड़ी संख्या में वारंटी और इनामी अपराधी पकड़े जाते हैं, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि सामान्य दिनों में वे कहां थे। अपराधियों को पकड़ना किसी विशेष अभियान का नहीं, बल्कि रोजमर्रा की पुलिसिंग का हिस्सा होना चाहिए। यदि अपराधी को हर समय कार्रवाई का डर रहेगा, तभी कानून का वास्तविक प्रभाव दिखाई देगा।

सड़क सुरक्षा केवल सरकारी जिम्मेदारी भी नहीं है। समाज को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। हेलमेट और सीट बेल्ट पुलिस से बचने के लिए नहीं, बल्कि अपनी जान बचाने के लिए हैं। माता-पिता को नाबालिग बच्चों को वाहन देने से बचना चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में सड़क सुरक्षा को व्यवहारिक शिक्षा का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। ड्राइविंग लाइसेंस की प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी तथा कठोर बनाने की आवश्यकता है, ताकि बिना प्रशिक्षण के कोई व्यक्ति सड़क पर वाहन न चला सके।

सरकार के लिए भी यह समय आत्ममंथन का है। यदि किसी अभियान के बाद यह बताया जाता है कि एक दिन में 40 हजार या 50 हजार चालान काटे गए, तो इसे उपलब्धि बताने से पहले यह भी सोचना चाहिए कि आखिर इतने लोग नियम क्यों तोड़ रहे थे। वास्तविक सफलता चालानों की संख्या बढ़ाने में नहीं, बल्कि उन्हें घटाने में है। जब लोग स्वयं नियमों का पालन करने लगें, तब समझिए कि व्यवस्था सफल हुई है। उत्तर प्रदेश तेजी से विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। निवेश, उद्योग, पर्यटन और आधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ अब आवश्यकता ऐसी यातायात व्यवस्था की है, जो केवल अभियानों पर निर्भर न रहे। सड़क पर हर दिन कानून का समान और प्रभावी पालन हो, तकनीक का बेहतर उपयोग हो, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगे और नियमों का उल्लंघन करने वालों के प्रति शून्य सहिष्णुता अपनाई जाए।

आखिर सड़क पर निकलने वाला हर व्यक्ति किसी परिवार की उम्मीद है। उसकी सुरक्षा किसी प्रेस विज्ञप्ति या अभियान की सफलता का विषय नहीं, बल्कि सरकार और समाज दोनों की साझा जिम्मेदारी है। यदि उत्तर प्रदेश को वास्तव में सुरक्षित यातायात व्यवस्था वाला राज्य बनना है, तो उसे अभियानों की संस्कृति से आगे बढ़कर जवाबदेह और निरंतर व्यवस्था की संस्कृति विकसित करनी होगी। तभी उपलब्धियों के आंकड़े नहीं, बल्कि सुरक्षित घर लौटते नागरिक सरकार की सबसे बड़ी सफलता बनेंगे।

विचार विंडो

नागरिकता के प्रमाण पर भ्रम, लोकतंत्र के लिए चुनौती

राम प्रकाश वर्मा

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत यह रही है कि नागरिक और शासन के बीच विश्वास का रिश्ता बना रहा। यह विश्वास केवल चुनावों, योजनाओं या सरकारी घोषणाओं से नहीं, बल्कि इस भरोसे से भी मजबूत होता है कि आम नागरिक अपनी पहचान, अधिकार और नागरिकता को लेकर किसी प्रकार के भ्रम में नहीं रहेगा। लेकिन पिछले कुछ समय से नागरिकता के प्रमाण को लेकर जिस तरह के सवाल उठ रहे हैं, उन्होंने इस भरोसे के सामने एक नई चुनौती खड़ी कर दी है। पासपोर्ट, आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और पैन कार्ड जैसे दस्तावेज, जिन्हें वर्षों से आम लोग अपनी पहचान और नागरिकता से जोड़कर देखते रहे हैं, अब कानूनी व्याख्याओं के कारण बहस का विषय बन गए हैं। ऐसे में सबसे बड़ी जरूरत इस बात की है कि सरकार और कानून की भाषा आम नागरिक की समझ के अनुरूप स्पष्ट और पारदर्शी बने।

हाल ही में विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी का यह बयान कि भारतीय पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं, बल्कि केवल विदेश यात्रा का दस्तावेज है, व्यापक चर्चा का विषय बन गया। कानूनी दृष्टि से यह कथन पूरी तरह असंगत नहीं है। भारतीय पासपोर्ट अधिनियम, 1967 के प्रावधानों के अनुसार विशेष परिस्थितियों में केंद्र सरकार गैर-भारतीय नागरिक को भी जनहित में यात्रा दस्तावेज जारी कर सकती है। इसी आधार पर यह कहा जाता है कि पासपोर्ट अपने आप में नागरिकता का अंतिम और निर्विवाद प्रमाण नहीं है। लेकिन आम नागरिक कानून की धाराओं से अधिक अपने व्यवहारिक अनुभव पर भरोसा करता है। उसके लिए पासपोर्ट प्राप्त करना केवल विदेश यात्रा की अनुमति नहीं, बल्कि सरकारी स्तर पर उसकी पहचान और विश्वसनीयता की पुष्टि भी माना जाता रहा है। यही कारण है कि जब एक ओर मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण के दौरान आधार, मतदाता पहचान पत्र और पैन कार्ड को नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं माना गया और दूसरी ओर पासपोर्ट को भी इसी श्रेणी में रख दिया गया, तो स्वाभाविक रूप से लोगों के मन में प्रश्न उठने लगे। यदि ये सभी दस्तावेज नागरिकता सिद्ध नहीं करते, तो आखिर ऐसा कौन-सा दस्तावेज है जो सामान्य भारतीय नागरिक अपनी नागरिकता साबित करने के लिए प्रस्तुत करे? यह प्रश्न केवल कानूनी नहीं, बल्कि प्रशासनिक और सामाजिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। वास्तव में नागरिकता और पहचान दो अलग-अलग अवधारणाएँ हैं। आधार अधिनियम स्पष्ट करता है कि आधार केवल पहचान और निवास का प्रमाण है, नागरिकता का नहीं। पैन कार्ड का उद्देश्य कर व्यवस्था से जुड़ा है। मतदाता पहचान पत्र मतदान के अधिकार का प्रमाण है, जबकि पासपोर्ट मुख्यतः अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए जारी किया जाता है। इन सभी दस्तावेजों का अपना-अपना महत्व है, लेकिन नागरिकता संबंधी कानून अलग प्रावधानों के तहत संचालित होता है।

समस्या यह नहीं कि कानून क्या कहता है, बल्कि यह है कि उसकी जानकारी आम लोगों तक सरल भाषा में नहीं पहुंच पाती।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में अधिकांश नागरिक कानून की धाराओं से परिचित नहीं होते। वे सरकारी दस्तावेजों को ही अपने अधिकारों का आधार मानते हैं। यदि वर्षों तक किसी दस्तावेज को सरकारी कार्यालयों, बैंकों, न्यायिक प्रक्रियाओं और प्रशासनिक कार्यों में पहचान के प्रमुख प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जाता रहा हो, तो लोगों का उसे नागरिकता से जोड़ लेना अस्वाभाविक नहीं है। इसलिए जब अचानक यह कहा जाता है कि वह दस्तावेज नागरिकता का प्रमाण नहीं है, तो भ्रम, आशंका और असंतोष पैदा होना स्वाभाविक है। लोकतंत्र केवल कानूनों के सहारे नहीं चलता, बल्कि नागरिकों के विश्वास पर भी आधारित होता है। यदि कानून की भाषा और जनता की समझ के बीच दूरी बढ़ती जाएगी, तो गलतफहमियां भी बढ़ेंगी। सोशल मीडिया के दौर में ऐसी स्थितियां और अधिक संवेदनशील हो जाती हैं। अधूरी जानकारी, आधे-अधूरे कानूनी तथ्य और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप मिलकर एक ऐसा वातावरण तैयार कर देते हैं, जिसमें तथ्य पीछे छूट जाते हैं और भ्रम आगे निकल जाता है। इस पूरे विवाद का एक महत्वपूर्ण पक्ष प्रशासनिक संचार भी है। सरकार की ओर से समय रहते स्पष्ट और आधिकारिक जानकारी उपलब्ध कराई जाती, तो शायद स्थिति इतनी उलझती नहीं। नागरिकों को यह बताया जाना चाहिए कि किन परिस्थितियों में कौन-सा दस्तावेज किस उद्देश्य के लिए मान्य है और यदि नागरिकता का प्रमाण देना आवश्यक हो, तो किन दस्तावेजों या अभिलेखों को स्वीकार किया जाएगा। केवल कानूनी प्रावधानों का हवाला देना पर्याप्त नहीं है, क्योंकि आम व्यक्ति कानून नहीं, बल्कि उसकी सरल व्याख्या समझता है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि देश के करोड़ों लोगों के पास जन्म प्रमाणपत्र या पुराने अभिलेख उपलब्ध नहीं हैं। ग्रामीण क्षेत्रों, बुजुर्ग नागरिकों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के सामने दस्तावेजों की उपलब्धता एक अलग चुनौती है। ऐसे में यदि नागरिकता संबंधी किसी प्रक्रिया में अत्यधिक जटिल दस्तावेजों की अपेक्षा की जाएगी, तो अनावश्यक परेशानियां बढ़ सकती हैं। इसलिए भविष्य की किसी भी व्यवस्था में व्यवहारिकता, सरलता और मानवीय दृष्टिकोण को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। सरकार को इस विषय पर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। नागरिकों को यह समझाया जाए कि पहचान, निवास, करदाता, मतदाता और नागरिकता के प्रमाण अलग-अलग कानूनी श्रेणियां हैं। साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाए कि सामान्य परिस्थितियों में नागरिकों को अपनी नागरिकता साबित करने के लिए किन दस्तावेजों का उपयोग करना होगा। यदि आवश्यक हो तो एक समेकित दिशा-निर्देश जारी कर सभी सरकारी विभागों में समान रूप से लागू किया जाए, ताकि अलग-अलग स्तर पर अलग-अलग व्याख्याओं की स्थिति समाप्त हो सके। भारतीय लोकतंत्र की मजबूती केवल कानून बनाने में नहीं, बल्कि उन्हें सरल और विश्वसनीय ढंग से जनता तक पहुंचाने में भी है। नागरिकों का भरोसा तभी कायम रहेगा जब कानून और जनधारणा के बीच संतुलन स्थापित होगा। नागरिकता जैसे संवेदनशील विषय पर किसी भी प्रकार का भ्रम लंबे समय तक बना रहना लोकतांत्रिक व्यवस्था के हित में नहीं है। स्पष्ट नीति, पारदर्शी संवाद और सरल प्रशासनिक प्रक्रिया ही इस संशय को दूर कर सकती है। लोकतंत्र में सबसे बड़ी जिम्मेदारी केवल कानून लागू करना नहीं, बल्कि नागरिकों को यह विश्वास दिलाना भी है कि उनकी पहचान, अधिकार और नागरिकता सुरक्षित हैं तथा आवश्यकता पड़ने पर उन्हें सिद्ध करने की प्रक्रिया भी स्पष्ट, सरल और न्यायपूर्ण होगी।

महिला टी–20 वर्ल्ड कप के बाद बड़ा फैसला

एशियन गेम्स 2026 के लिए टीम इंडिया घोषित

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने सितंबर 2026 में जापान के आइची–नागोया में होने वाले एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम इंडिया एक बार फिर गोल्ड मेडल बचाने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

आईसीसी वूमेन्स टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में ग्रुप स्टेज से बाहर होने के बाद भारतीय महिला टीम के सामने अब खुद को दोबारा साबित करने की बड़ी चुनौती होगी। हालिया प्रदर्शन में भारत ने 5 मैचों में 3 जीत दर्ज की, लेकिन ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के खिलाफ मिली हार ने अभियान को झटका दिया।

इसके बावजूद चयनकर्ताओं ने अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा कायम रखा है।

पिछली बार चीन के हांगझोउ एशियन

गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली टीम इंडिया अब लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम करने के लक्ष्य के साथ उतरेगी।

टीम की उपकप्तानी स्मृति मंधाना को सौंपी गई है, जो बल्लेबाजी में टीम की अहम कड़ी होंगी। शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा और विकेटकीपर ऋचा घोष जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर भी बड़ी जिम्मेदारी रहेगी। वहीं युवा विकेटकीपर जी. कमलिनी को इस बार टीम में शामिल किया गया है, जबकि यास्तिका भाटिया को बाहर का रास्ता दिखाया गया है।

गेंदबाजी विभाग में रेणुका ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, राधा यादव, श्री चरणी और क्रांति गौड़ को जगह दी गई है। ऑलराउंडर श्रेयांका पाटिल को फिटनेस मंजूरी मिलने की शर्त पर टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा भारती फुलमाली और नंदनी शर्मा भी 15 सदस्यीय दल का हिस्सा हैं।

हरमनप्रीत को सौंपी गई जिम्मेदारी

कौर की कप्तानी में गोल्ड बचाने उतरेगी भारतीय महिला टीम

एशियन गेम्स 2026 भारतीय महिला टीम के लिए बेहद अहम टूर्नामेंट साबित होने वाला है। यह न सिर्फ गोल्ड मेडल बचाने का मौका है, बल्कि हालिया निराशाजनक प्रदर्शन को पीछे छोड़कर आत्मविश्वास दोबारा हासिल करने का बड़ा मंच भी होगा। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम इंडिया एक बार फिर इतिहास दोहराने के इरादे से उतरेगी और फैंस को शानदार प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

'प्रलय' की शूटिंग के लिए सात समंदर पार करेंगे सफर

यूनिक समय, नई दिल्ली। रणवीर सिंह एक बार फिर अपने नए और चुनौतीपूर्ण प्रोजेक्ट को लेकर सुर्खियों में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता जल्द ही निर्देशक जय मेहता की फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। खास बात यह है कि फिल्म की शूटिंग भारत में नहीं, बल्कि ऑस्ट्रेलिया में होगी। बताया जा रहा है कि इसका प्री–प्रोडक्शन शुरू हो चुका है और रणवीर भी अपने किरदार की तैयारी में जुट गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 'प्रलय' बॉलीवुड की महत्वाकांक्षी जॉम्बी एपोकैलिप्स फिल्मों में से एक होगी। फिल्म में दमदार एक्शन, बड़े स्तर के वीएफएक्स और हाई–एंड स्पेशल इफेक्ट्स देखने को मिलेंगे। यही वजह है कि मेकर्स हर छोटे–बड़े पहलू पर बारीकी से काम कर रहे हैं खबर है कि इस किरदार के लिए रणवीर सिंह को मानसिक और

ऑस्ट्रेलिया में होगी शूटिंग

जॉम्बी यूनिवर्स में दिखेगा नया अवतार

शारीरिक दोनों स्तर पर खुद को पूरी तरह बदलना होगा। वह अपने लुक और बॉडी लैंग्वेज पर खास मेहनत कर रहे हैं ताकि दर्शकों को उनका बिल्कुल नया अंदाज देखने को मिले। इससे पहले भी रणवीर 'पद्मावत', 'गली बॉय' और 'धुरंधर' जैसी फिल्मों में अलग–अलग किरदारों से अपनी अभिनय क्षमता साबित कर चुके हैं।

फिल्म की कहानी जॉम्बी एपोकैलिप्स के बीच फंसे एक कपल के संघर्ष पर आधारित बताई जा रही है, जो हर हाल में जिंदा रहने की लड़ाई लड़ता है।

रोइंग विश्वकप में भारत को मिला ऐतिहासिक स्वर्ण पदक

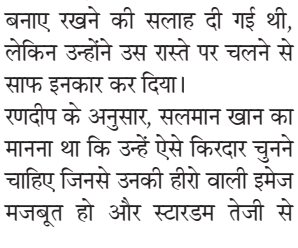

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय सेना के हवलदार लक्षय और उज्ज्वल कुमार सिंह ने स्विट्जरलैंड के लुसर्न में आयोजित वर्ल्ड रोइंग कप स्टेज–3 में इतिहास रच दिया। दोनों की शानदार जोड़ी ने लाइटवेट पुरुष डबल स्कल्स स्पर्धा में दमदार प्रदर्शन करते हुए भारत को इस प्रतियोगिता का पहला स्वर्ण पदक दिलाया।

लक्षय और उज्ज्वल ने 6 मिनट 26.09 सेकेंड का समय

दो हवलदारों ने रचा इतिहास

निकालकर दुनिया की शीर्ष टीमों को पीछे छोड़ दिया और भारत का नाम रोइंग के वैश्विक मंच पर चमका दिया। यह जीत इसलिए भी खास मानी जा रही है क्योंकि प्रतियोगिता से पहले भारतीय टीम को वीजा से जुड़ी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। इसके बावजूद दोनों हवलदारों ने हार नहीं मानी और बेहतरीन तालमेल और फिटनेस के दम पर यूरोपीय टीमों को कड़ी टक्कर दी। इस ऐतिहासिक जीत ने भारतीय रोइंग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई है और सेना के खिलाड़ियों की प्रतिभा को एक बार फिर साबित किया है।

'इक्का' के ट्रेलर लॉन्च में सनी देओल ने जीता दिल

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल इन दिनों अपनी आगामी कोर्ट रूम ड्रामा फिल्म 'इक्का' को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में लॉन्च किया गया, लेकिन इस इवेंट में ट्रेलर से ज्यादा चर्चा किसी और चीज़ की हुई। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में लोगों की नजर सनी देओल के घिसे हुए जूतों पर टिक गई, जिसके बाद अभिनेता की सादगी की जमकर तारीफ होने लगी।

29 जून को आयोजित ट्रेलर लॉन्च इवेंट में सनी देओल ग्रे रंग के सूट और ब्लैक टी–शर्ट में बेहद शानदार अंदाज में पहुंचे। उनका लुक हमेशा की तरह दमदार था, लेकिन जब कैमरों ने उनके जूतों पर फोकस किया तो पता चला कि वे काफी पुराने और नीचे से घिसे हुए थे। करोड़ों की संपत्ति और स्टारडम के बावजूद सनी देओल का अपने पसंदीदा जूतों को दोबारा पहनना लोगों

को बेहद पसंद आया।

वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। कई यूजर्स ने इसे दिखावे से दूर रहने वाले सनी देओल की सादगी का उदाहरण बताया। एक यूजर ने लिखा, "हो सकता है ये उनके सबसे पसंदीदा जूते हों।" वहीं दूसरे ने मजाकिया अंदाज में कहा, "लगता है हैंडपंप उखाड़ते–उखाड़ते जूते घिस गए।" एक अन्य यूजर ने लिखा, "स्टार वही होता है जिसे अपनी पहचान दिखाने के लिए महंगी चीजों की जरूरत न पड़े।"

सनी देओल लंबे समय से अपनी सरल जीवनशैली और जमीन से जुड़े स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। यही वजह है कि उनके इस वायरल वीडियो को कई लोग उनकी सादगी का प्रतीक मान रहे हैं। जहां कुछ लोगों ने इस पर हल्के–फुल्के मजाक किए, वहीं बड़ी संख्या में फैंस ने अभिनेता की विनम्रता और बेफिक्र अंदाज की सराहना की।

सनी देओल के घिसे जूतों ने लूट ली लाइमलाइट

स्टाइल नहीं, सादगी बनी चर्चा का विषय

वर्क फ्रंट की बात करें तो 'इक्का' 10 जुलाई को सीधे नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा के निर्देशन में बनी इस फिल्म से सनी देओल अपना ओटीटी डेब्यू करने जा रहे हैं। फिल्म में उनके साथ अक्षय खन्ना, दीया मिर्जा, तिलोत्तमा शोम और संजीदा शेख अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। खास बात यह है कि सनी एक बार फिर वकील की भूमिका निभा रहे हैं, जिसे लेकर उनके प्रशंसकों में पहले से ही काफी उत्साह देखने को मिल रहा है।

रणदीप हुड्डा ने नहीं मानी सलमान खान की सलाह

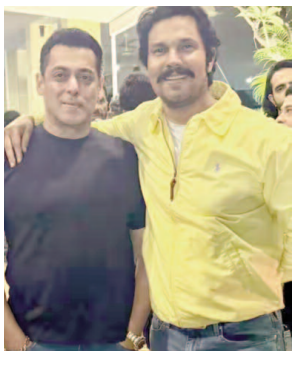

यूनिक समय, नई दिल्ली। अभिनेता रणदीप हुड्डा ने अपने दमदार अभिनय और अलग–अलग किरदारों के लिए बॉलीवुड में एक खास पहचान बनाई है। हाल ही में उन्होंने अपने करियर से जुड़ा एक दिलचस्प खुलासा किया, जिसमें बताया कि शुरुआती दौर में उन्हें सलमान खान और उनके पिता की ओर से एक जैसी हीरो वाली छवि बनाए रखने की सलाह दी गई थी, लेकिन उन्होंने उस रास्ते पर चलने से साफ इनकार कर दिया।

रणदीप के अनुसार, सलमान खान का मानना था कि उन्हें ऐसे किरदार चुनने चाहिए जिनसे उनकी हीरो वाली इमेज मजबूत हो और स्टारडम तेजी से

सलाह के बावजूद हुड्डा ने लिया अलग फैसला

हुड्डा ने बताई फैसले के पीछे की बड़ी वजह

हासिल किया जा सके। उनके पिता ने भी यही सुझाव दिया था कि एक जैसी छवि बनाए रखने से करियर में स्थिरता आती है और दर्शकों के बीच पहचान मजबूत होती है। हालांकि रणदीप ने माना कि यह सलाह अच्छी थी, लेकिन उनकी सोच इससे बिल्कुल अलग थी। अभिनेता ने कहा कि वह खुद को बार–बार एक जैसे किरदारों में नहीं देखना चाहते थे। उनके मुताबिक, अगर हर फिल्म में वही अंदाज और वही तरह का रोल किया जाए तो अभिनय का रोमांच खत्म हो जाता है और कलाकार के रूप में विकास रुक जाता है। इसलिए उन्होंने हमेशा ऐसे किरदार चुने जो उन्हें चुनौती दें और हर बार कुछ नया सीखने का मौका दें। रणदीप ने यह भी बताया कि वह हर किरदार के लिए अपनी आवाज, बोलने का तरीका, डायलॉग डिलीवरी और बॉडी लैंग्वेज तक बदलने की कोशिश करते हैं। उनका कहना है कि जब लोग कहते हैं कि उनकी एक्टिंग की नकल करना आसान नहीं है, तो वह इसे अपने काम की सबसे बड़ी तारीफ मानते हैं, क्योंकि इसका मतलब है कि हर किरदार अलग और असरदार रहा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि स्टार इमेज बनाना गलत नहीं है, लेकिन लंबे समय तक दर्शकों को जोड़कर रखने के लिए खुद को लगातार नया बनाए रखना जरूरी है। उनके अनुसार, अभिनय सिर्फ शारीरिक रूप या हीरोइज्म तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि हर भूमिका में कुछ अलग और वास्तविक दिखना चाहिए। वर्क फ्रंट की बात करें तो रणदीप हुड्डा जल्द ही फिल्म 'ईठा' में नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ श्रद्धा कपूर मुख्य भूमिका निभाती दिखाई देंगी। वहीं, रणदीप और सलमान खान इससे पहले 'किक', 'सुल्तान' और 'राधे' जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं, लेकिन रणदीप हमेशा अपने अलग और चुनौतीपूर्ण किरदारों के लिए जाने जाते हैं।

हैरी ब्रूक को इंग्लैंड की मिल सकती है कप्तानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंग्लैंड के दिग्गज ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने टेस्ट टीम के अगले कप्तान को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने मौजूदा उपकप्तान हैरी ब्रूक का खुलकर समर्थन करते हुए कहा कि वह इस जिम्मेदारी के लिए पूरी तरह तैयार हैं और टीम का नेतृत्व करने की क्षमता रखते हैं। हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान स्टोक्स की गैरमौजूदगी में पूर्व कप्तान जो रूट ने टीम की कमान संभाली थी। इस फैसले के बाद सवाल उठने लगे थे कि उपकप्तान होने के बावजूद हैरी ब्रूक को कप्तानी क्यों नहीं दी गई। स्टोक्स ने साफ कहा कि उपकप्तान का पद किसी खास वजह से दिया जाता है और जब कप्तान उपलब्ध न हो, तो जिम्मेदारी उसी को मिलनी चाहिए। उन्होंने ब्रूक को शानदार खिलाड़ी बताते हुए कहा कि वह टीम के सबसे प्रतिभाशाली और अनुभवी खिलाड़ियों में से एक हैं। स्टोक्स के अनुसार, कप्तानी की जिम्मेदारी ब्रूक के खेल को और निखार सकती है। अभी तक नए टेस्ट कप्तान की आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन स्टोक्स के बयान से साफ है कि उनकी पहली पसंद हैरी ब्रूक ही हैं।

इतिहास रचने वाले तेनजिंग नोर्गे की कहानी बड़े पर्दे पर

यूनिक समय, नई दिल्ली। दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट को पहली बार फतह करने वाले महान पर्वतारोही तेनजिंग नोर्गे की प्रेरक कहानी अब बड़े पर्दे पर दिखाई जाएगी। उनकी जिंदगी पर आधारित बायोपिक 'तेनजिंग' का ऐलान हो चुका है, जिसमें हॉलीवुड स्टार टॉम हिडलस्टन और अभिनेता गेंडन फुंट्सोक मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म का निर्माण एप्पल टीवी प्लस के लिए किया जा रहा है। इसका निर्देशन ऑस्ट्रेलियाई फिल्ममेकर जेनिफर पीडम करेंगी, जबकि पटकथा ल्यूक डेविस ने लिखी है। फिल्म 29 मई 1953 की उस ऐतिहासिक उपलब्धि को पर्दे पर उतारेगी, जब शेरपा तेनजिंग नोर्गे और न्यूजीलैंड के पर्वतारोही एडमंड हिलेरी ने पहली बार माउंट एवरेस्ट की चोटी पर कदम रखकर इतिहास रच दिया था।

फिल्म में गेंडन फुंट्सोक तेनजिंग नोर्गे का किरदार निभाएंगे, जबकि

नोर्गे के किरदार में दिखेंगे गेंडन फुंट्सोक

टॉम हिडलस्टन निभाएंगे एडमंड हिलेरी

टॉम हिडलस्टन एडमंड हिलेरी की भूमिका में दिखाई देंगे। इनके अलावा विलेम डैफो, कैट्रिओना बाल्फे, तेनजिन डल्हा और थिनले ल्हामो भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'तेनजिंग' सिर्फ एवरेस्ट फतह की कहानी नहीं होगी, बल्कि यह उस संघर्ष और सम्मान की भी दास्तान होगी, जिसमें तेनजिंग नोर्गे को एक साधारण शेरपा नहीं, बल्कि अभियान के बराबर के नायक के रूप में पहचान दिलाने की लड़ाई दिखाई जाएगी। साथ ही फिल्म पश्चिमी सोच और हिमालय को पवित्र मानने वाली शेरपा संस्कृति के बीच के वैचारिक अंतर को भी बेहद प्रभावशाली ढंग से पेश करेगी।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर कांग्रेस का प्रदर्शन

अजय राय समेत कई नेता नजरबंद

चढ़ावा मामले पर जांच तेज, विरोध जारी

यूनिक समय, अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा मामले को लेकर अयोध्या में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को पुलिस ने देर रात एक होटल से नजरबंद कर कृषि विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस में रखा। वहीं कांग्रेस के कई अन्य नेताओं को भी हाउस अरेस्ट किया गया, जबकि राम मंदिर की ओर मार्च कर रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रास्ते में रोककर हिरासत में लिया।

इस बीच, मामले की जांच भी तेज हो गई है। राम मंदिर में लंबे समय से तैनात रेडियो ऑपरेशन अधिकारी (आरएमओ) अर्जुन देव का 17 वर्ष बाद तबादला कर दिया गया है। वह मंदिर परिसर के सीसीटीवी सिस्टम की निगरानी की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। दूसरी ओर, पूर्व महासचिव चंपत राय से पूछताछ के बाद विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अपनी जांच आगे बढ़ा दी है। प्रशासन का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच जारी है, जबकि कांग्रेस ने इसे पारदर्शिता और जवाबदेही से जुड़ा मुद्दा बताते हुए विरोध जारी रखने की बात कही है।

कांग्रेस नेता अजय राय ने बताया कि भाजपा–आरएसएस के लोग प्रभु के नाम पर चंदा चोरी, ज़मीन घोटाला और चढ़ावा चोरी कर रहे हैं। हम इस महापाप के खिलाफ भगवान के चरणों में न्याय की प्रार्थना करने जा रहे हैं, लेकिन हमें रोका जा रहा है। सत्ता के अहंकार में डूबी यह सरकार सुन ले–राम जी सब देख रहे हैं और हर अत्याचार का हिसाब होगा। बिना प्रभु के दर्शन किए हम एक इंच भी पीछे नहीं हटेंगे, चाहे इसके लिए जेल जाना पड़े या अन्न–जल त्यागना पड़े।

राम मंदिर ट्रस्ट में सीईओ नियुक्ति की तैयारी तेज

एसआईटी ने प्रशासनिक बदलाव की सिफारिश की

सेवारत अधिकारी को मिल सकती जिम्मेदारी अब

यूनिक समय, लखनऊ। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने मंदिर ट्रस्ट की प्रशासनिक व्यवस्था में बड़े बदलाव की सिफारिश की है। जांच रिपोर्ट में ट्रस्ट के संचालन के लिए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति का सुझाव दिया गया है, ताकि कार्यप्रणाली अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और व्यवस्थित बन सके।

सूत्रों के अनुसार, एसआईटी का मानना है कि सीईओ के रूप में किसी सेवानिवृत्त अधिकारी के बजाय सेवारत प्रशासनिक अधिकारी को जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। इस पद के लिए मंडलायुक्त, जिलाधिकारी या वरिष्ठ राजस्व अधिकारी जैसे अधिकारियों के नामों पर विचार किया जा सकता है। अंतिम निर्णय विस्तृत जांच रिपोर्ट आने के बाद लिया जाएगा।

बताया जा रहा है कि वर्ष 2020 में ट्रस्ट गठन के बाद से प्रशासनिक जिम्मेदारियां सीमित लोगों के हाथों में केंद्रित रहीं। हाल में सामने आए चढ़ावा चोरी प्रकरण के बाद व्यवस्था में सुधार और निगरानी तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता महसूस की गई है। एसआईटी का मानना है कि सीईओ व्यवस्था लागू होने से वित्तीय प्रबंधन, कर्मचारियों की जवाबदेही और मंदिर प्रशासन की कार्यप्रणाली अधिक प्रभावी होगी। सरकार और ट्रस्ट स्तर पर इस प्रस्ताव पर मंथन जारी है।

10 दिन की देरी के बाद यूपी पहुंचा मानसून

पूर्वांचल से हुई मानसून की शानदार एंट्री

48 घंटों में पूरा प्रदेश होगा तरबतर

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में दक्षिण–पश्चिम मानसून ने आखिरकार दस्तक दे दी है। करीब 10 दिन की देरी से आया मानसून मंगलवार को सोनभद्र और महराजगंज के रास्ते प्रदेश में प्रवेश कर गया। इसके प्रभाव से पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में तेज हवा के साथ बारिश शुरू हो गई, जिससे लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले 48 घंटों में मानसून पूरे प्रदेश को कवर कर लेगा। लखनऊ कानपुर, अयोध्या, गोरखपुर, जौनपुर, देवरिया, बरेली, सीतापुर, गोंडा, बहराइच, रायबरेली, उन्नाव और अन्य जिलों में रुक–रुककर बारिश दर्ज की गई। कुछ स्थानों पर तेज बारिश से खेतों में पानी भर गया। विभाग ने प्रदेश के सभी 75 जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें 38 जिलों में भारी वर्षा और कुछ स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना जताई गई है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि लगातार बारिश के चलते तापमान में 8 से 10 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है, जिससे आने वाले दिनों में लोगों को गर्मी से बड़ी राहत मिलेगी।

राम मंदिर चढ़ावा मामले पर मायावती की दो टूक

मामले को बताया बेहद गंभीर और चिंताजनक

राजनीतिकरण से बचने की दी नसीहत सभी

यूनिक समय, लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने अयोध्या के राम मंदिर चढ़ावा चोरी और कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले को बेहद गंभीर बताते हुए निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि किसी ने श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े धन का दुरुपयोग किया है, तो दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाने चाहिए।

मायावती ने सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में कहा कि इस संवेदनशील मामले का राजनीतिकरण करना उचित नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जांच निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से पूरी होनी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आ सके और लोगों का विश्वास बना रहे। बसपा प्रमुख ने सुझाव दिया कि देश के प्रमुख मंदिरों में अपनाई जा रही चढ़ावे के लेखा–जोखा और निगरानी की प्रभावी व्यवस्थाओं को राम मंदिर में भी लागू किया जाए। उनका कहना है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए मजबूत प्रशासनिक व्यवस्था आवश्यक है। उन्होंने मामले के शीघ्र और निष्पक्ष समाधान की भी अपेक्षा जताई।

फिर बदला रिंकू सिंह राही का तबादला

भाजपा नेता विवाद के बाद प्रशासनिक फैसला

जालौन से उरई एसडीएम न्यायिक बने राही

यूनिक समय, जालौन। उत्तर प्रदेश के 2023 बैच के आईएएस अधिकारी रिंकू सिंह राही का एक बार फिर तबादला कर दिया गया है। उन्हें जालौन के ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं एसडीएम पद से हटाकर उरई में एसडीएम (न्यायिक) नियुक्त किया गया है। उनकी जगह राकेश कुमार सोनी को जालौन का नया एसडीएम बनाया गया है।

यह प्रशासनिक फेरबदल भाजपा ब्लॉक प्रमुख रामराज निरंजन के साथ हुए विवाद के बाद हुआ है। ब्लॉक प्रमुख ने राही पर धक्का–मुक्की का आरोप लगाते हुए शिकायत की थी, जिसके बाद जिलाधिकारी ने मामले की जांच के लिए समिति गठित की थी।

रिंकू सिंह राही पहले भी कई विवादों के कारण चर्चा में रहे हैं। शाहजहांपुर में एसडीएम रहते हुए उनका उठक–बैठक वाला वीडियो वायरल हुआ था। बाद में उन्हें राजस्व परिषद से संबद्ध किया गया। कुछ महीने पहले उन्होंने काम न मिलने का हवाला देते हुए राष्ट्रपति को इस्तीफा भी भेजा था। अब एक बार फिर उनके तबादले ने प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज कर दी है।

अवैध सब्जी मंडी पर नगर निगम का बुलडोजर

सड़क से हटाया गया वर्षों पुराना अतिक्रमण

विरोध के बीच कई ठेले और सामान जब्त

यूनिक समय, आगरा। ताजगंज क्षेत्र के बसई स्थित पर्यटन थाना रोड पर लंबे समय से लग रही अवैध सब्जी मंडी पर मंगलवार को नगर निगम ने बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण हटाया। पुलिस और नगर निगम की टास्क फोर्स की मौजूदगी में चले अभियान के दौरान सड़क किनारे लगे ठेले और अस्थायी दुकानें हटाई गईं तथा कई विक्रेताओं का सामान जब्त कर ट्रकों में भर लिया गया। अधिकारियों के अनुसार, सड़क के दोनों ओर करीब एक किलोमीटर तक अतिक्रमण होने से यातायात बुरी तरह प्रभावित हो रहा था। पहले कई बार चेतावनी देने के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया, जिसके बाद कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान कुछ सब्जी विक्रेताओं ने विरोध भी किया, लेकिन पुलिस ने स्थिति संभाल ली। अतिक्रमण हटाने के बाद सड़क की सफाई कर जल निकासी की व्यवस्था भी दुरुस्त कराई गई।

आगरा कैंट स्टेशन पर बैटरी कार सेवा शुरू

बुजुर्ग–दिव्यांग यात्रियों को मिलेगी बड़ी राहत

24 घंटे उपलब्ध रहेगी आसान परिवहन सुविधा

यूनिक समय, आगरा। आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगों, बीमार यात्रियों और बच्चों के साथ सफर करने वाले परिवारों की सुविधा के लिए बैटरी चालित कार सेवा शुरू कर दी गई है। स्टेशन निदेशक संतोष कुमार त्रिपाठी ने दो बैटरी कारों को हरी झंडी दिखाकर सेवा का शुभारंभ किया। मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल के मार्गदर्शन में शुरू की गई इस सुविधा से यात्रियों को भारी सामान के साथ एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म तक पैदल चलने की परेशानी से राहत मिलेगी। बैटरी कार सेवा चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेगी। एक यात्री के लिए 50 रुपये और पूरी कार बुक करने पर 180 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। यह ठेका तीन वर्ष के लिए दिया गया है, जिससे रेलवे को प्रतिवर्ष लगभग 8.35 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त होगा। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि इस पहल से यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और सम्मानजनक यात्रा अनुभव मिलेगा।

ग्राम सचिवालय में एक जुलाई से बैठेंगे लेखपाल

अब नहीं लगाने पड़ेंगे तहसील के चक्कर

राजस्व सेवाएं मिलेंगी गांव में ही

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने ग्रामीणों को राजस्व संबंधी सेवाएं गांव स्तर पर उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। एक जुलाई से प्रदेश के सभी जिलों में लेखपाल निर्धारित रोस्टर के अनुसार ग्राम सचिवालयों में नियमित रूप से बैठेंगे। इसके लिए राजस्व परिषद ने सभी जिलाधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं।

नई व्यवस्था लागू होने के बाद ग्रामीणों को आय, जाति, निवास, हैसियत प्रमाणपत्र, खतौनी की नकल, वरासत और अन्य राजस्व संबंधी कार्यों के लिए बार–बार तहसीलों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। ग्राम सचिवालयों में ही लेखपाल की उपलब्धता से इन सेवाओं का निस्तारण अधिक पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से हो सकेगा।

राजस्व परिषद के अनुसार, पंचायत सहायकों के माध्यम से पहले से कई ऑनलाइन सेवाएं ग्राम सचिवालयों में संचालित की जा रही हैं। अब लेखपालों की नियमित उपस्थिति से इन सेवाओं की गति और गुणवत्ता दोनों में सुधार आने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में सुशासन और जनसेवाओं को मजबूत करने पर जोर दे रही है।

लेखपाल केवल प्रमाणपत्रों तक सीमित नहीं रहते, बल्कि भूमि विवादों के निस्तारण, किसान सम्मान निधि, स्वामित्व योजना, राहत एवं पुनर्वास, प्राकृतिक आपदाओं के सर्वेक्षण, फसल गिरदावरी, जनगणना, कृषि गणना, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के सत्यापन और विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अब प्रत्येक जनपद में रोस्टर तैयार कर लेखपालों की ग्राम सचिवालयों में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। इससे ग्रामीणों का समय और धन दोनों बचेंगे, राजस्व कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी तथा गांव स्तर पर सरकारी सेवाओं की पहुंच पहले से अधिक प्रभावी और आसान हो सकेगी।

पूर्व आईपीएस प्रेम प्रकाश आजाद समाज पार्टी में शामिल

यूनिक समय, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के पूर्व आईपीएस अधिकारी प्रेम प्रकाश ने भाजपा छोड़कर सांसद चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) की सदस्यता ग्रहण कर ली। पार्टी में शामिल होने के साथ ही उन्होंने 2027 का विधानसभा चुनाव लड़ने और संगठन को प्रदेशभर में मजबूत करने का संकल्प जताया। प्रेम प्रकाश 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी रहे हैं और दिसंबर 2022 में प्रयागराज से एडीजी पद से सेवानिवृत्त हुए थे। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने भाजपा जॉइन की थी। कानपुर जोन में तैनाती के दौरान उन्होंने कई चर्चित अभियानों का नेतृत्व किया और मुख्तार अंसारी को पंजाब की रोपड़ जेल से बांदा जेल लाने की कार्रवाई में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। बसपा शासनकाल में भी उन्हें प्रभावशाली अधिकारियों में गिना जाता था।

विजिलेंस छापे में अफसरों के नौ ठिकानों से मिली करोड़ों की संपत्ति

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा के संबलपुर स्थित वीर सुरेंद्र साय इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च (वीआईएमएसएआर) के दो अधिकारियों के ठिकानों पर विजिलेंस विभाग ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। विशेष न्यायालय से जारी सर्च वारंट के आधार पर दोनों अधिकारियों से जुड़े कुल नौ स्थानों पर एक साथ छापेमारी की गई।

विजिलेंस की कार्रवाई में एस्टैब्लिशमेंट ऑफिसर-कम-ऑफिस सुपरिंटेंडेंट धनुर्धर बिस्वाल के चार ठिकानों की तलाशी ली गई। शुरुआती जांच में उनके और परिवार के नाम पर 20 प्लॉट, दो मकान, एक हाइवा ट्रक, एक कार, दो ट्रैक्टर, तीन दोपहिया वाहन तथा 19.72 लाख रुपये नकद मिलने की जानकारी सामने आई है। इसके अलावा सोने के आभूषण, बैंक खातों और अन्य निवेशों की भी जांच की जा रही है।

इसी मामले में वीआईएमएसएआर के स्टुअर्ड अश्विनी मेहर के खिलाफ भी विजिलेंस ने कार्रवाई शुरू की है। उनकी संपत्तियों से जुड़े पांच ठिकानों पर तलाशी जारी है। इनमें सरकारी आवास, निर्माणाधीन चार मंजिला भवन, निजी मकान और कार्यालय शामिल हैं। विजिलेंस अधिकारियों के अनुसार दोनों मामलों में दस्तावेजों की गहन जांच

नकदी, प्लॉट और वाहनों की जांच जारी रही

की जा रही है। बरामद संपत्तियों का अंतिम मूल्यांकन छापेमारी पूरी होने के बाद किया जाएगा। जांच के निष्कर्षों के आधार पर आय से अधिक संपत्ति के मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद सरकारी विभागों में एक बार फिर भ्रष्टाचार और अवैध संपत्ति को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। जांच एजेंसियों का कहना है कि मामले से जुड़े सभी वित्तीय दस्तावेजों और संपत्तियों की पड़ताल पूरी पारदर्शिता के साथ की जाएगी।

महाराष्ट्र टीईटी पेपर लीक में बिहार कनेक्शन उजागर

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) पेपर लीक मामले में ठाणे पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जांच के दौरान फरार बताए जा रहे मुख्य आरोपी बिजेंद्र कुमार गुप्ता की पत्नी सुमन कुमारी को पटना से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, समस्तीपुर निवासी बिजेंद्र इस कथित पेपर लीक नेटवर्क का मास्टरमाइंड है और उसकी तलाश जारी है। पुलिस ने बताया कि मामले में हरियाणा का एक अन्य आरोपी भी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। इससे पहले भिवंडी में की गई कार्रवाई के दौरान तीन लोगों को हिरासत में लिया गया था। उनके पास से कथित तौर पर प्रश्नपत्रों के कई सेट बरामद हुए, जिसके बाद 28 जून को प्रस्तावित टीईटी परीक्षा स्थगित कर दी गई।

पटना से मास्टरमाइंड की पत्नी गिरफ्तार हुई

फरार आरोपियों की तलाश में छापेमारी तेज

अदालत ने जांच एजेंसी को 6 जुलाई तक का समय दिया है। पुलिस का दावा है कि मुख्य आरोपी का नाम पहले भी कई पेपर लीक मामलों में सामने आ चुका है। पूरे मामले की जांच जारी है और पुलिस संगठित गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की भूमिका की भी पड़ताल कर रही है।

मर्डर जांच की आड़ में दुष्कर्म का आरोप, दारोगा गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में अमृताहल्ली थाना क्षेत्र के एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर को नाबालिग लड़कों के कथित यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पर आरोप है कि उसने एक हत्या के मामले की जांच के बहाने कुछ नाबालिगों को हिरासत में लेकर उनके साथ मारपीट की और अशोभनीय हरकतें कीं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी सब-इंस्पेक्टर प्रवीण ने कथित रूप से नाबालिगों को एक निजी स्थान पर ले जाकर बेल्ट से पीटा और उनके साथ आपत्तिजनक व्यवहार किया। आरोप है कि उसने इस घटना का वीडियो भी अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड किया। हाल ही में वीडियो सामने आने के बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने मामले का संज्ञान लिया। शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। इसके बाद कोथनूर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर

नाबालिगों से दुर्व्यवहार का वीडियो आया सामने

पॉक्सो एक्ट में दर्ज हुआ गंभीर मामला

पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और जांच पूरी होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आरोपी के खिलाफ लगे आरोपों की पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी।

शिंदे खेमे में गए सचिन अहीर, उद्धव को झटका

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। शिवसेना (यूबीटी) के विधान परिषद सदस्य सचिन अहीर ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का दामन थाम लिया। पार्टी में शामिल होने के साथ ही उन्होंने महाराष्ट्र विधान परिषद के उपाध्यक्ष पद के लिए शिवसेना उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन भी दाखिल कर दिया। सचिन अहीर के इस फैसले को उद्धव ठाकरे गुट के लिए बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है। हाल के दिनों में यूबीटी के कई नेताओं और सांसदों के शिंदे गुट में जाने से पार्टी की संगठनात्मक स्थिति

विधान परिषद उपाध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल

पर सवाल उठ रहे हैं। दूसरी ओर, शिंदे गुट इसे अपने 'ऑपरेशन टाइगर' की सफलता बता रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अहीर के शामिल होने से विधान परिषद में शिंदे गुट की स्थिति और मजबूत होगी। वहीं, उद्धव ठाकरे के सामने संगठन को एकजुट बनाए रखने और लगातार हो रहे दल-बदल को रोकने की चुनौती और बढ़ गई है।

सिंधु जल विवाद पर पाकिस्तान की भारत को धमकी

यूनिक समय, नई दिल्ली। सिंधु जल संधि को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन मंत्री मुसादिक मलिक ने विवादित बयान देते हुए कहा कि यदि पाकिस्तान के हिस्से के पानी पर कोई दावा करने की कोशिश करेगा तो उसका कड़ा जवाब दिया जाएगा। उनके इस बयान के बाद दोनों देशों के बीच बयानबाजी तेज हो गई है।

पाकिस्तान ने दावा किया है कि 1960 की सिंधु जल संधि अब भी प्रभावी है और इसे एकतरफा निलंबित नहीं किया जा सकता। वहीं भारत ने अपना रुख दोहराते हुए कहा है कि सीमा पार आतंकवाद पर ठोस कार्रवाई के बिना इस संधि पर सामान्य स्थिति बहाल नहीं हो सकती।

गौरतलब है कि पहलगाम आतंकी

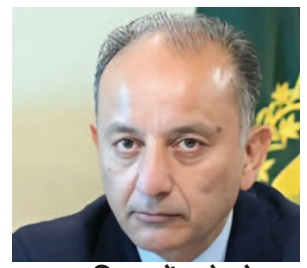

जल अधिकारों को लेकर बयानबाजी हुई तेज

भारत ने संधि स्थगन पर दोहराया अपना रुख

हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने का फैसला लिया था। अब इस मुद्दे पर दोनों देशों के बीच कूटनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है, जिससे क्षेत्रीय तनाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

आसाराम को सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल नहीं मिली राहत

यूनिक समय, नई दिल्ली। यौन उत्पीड़न के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम को सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल कोई राहत नहीं मिली है। मंगलवार को सुनवाई के दौरान सर्वोच्च अदालत ने उनकी सजा निलंबित करने और जमानत देने से इनकार करते हुए राजस्थान सरकार से दो सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस शील नागू की पीठ ने कहा कि जमानत पर विचार तभी किया जाएगा, जब स्वास्थ्य की स्थिति अत्यंत गंभीर हो। अदालत ने जेल प्रशासन को निर्देश दिया कि आसाराम को जेल के भीतर आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। आसाराम की ओर से उनके वकील ने बढ़ती उम्र और गंभीर बीमारियों का हवाला देते हुए राहत की मांग की थी। इससे पहले राजस्थान हाई कोर्ट ने 2013 के नाबालिग से दुष्कर्म मामले में उनकी उम्रकैद की सजा बरकरार रखी थी। हालांकि कुछ धाराओं में उन्हें राहत मिली थी, लेकिन दुष्कर्म और पॉक्सो से जुड़े प्रमुख आरोपों में दोषसिद्धि कायम रहने के कारण सजा यथावत है।

समलैंगिक संबंध ठुकराने पर स्कूल छात्र की हत्या

यूनिक समय, चेन्नई। तमिलनाडु के पुदुक्कोट्टई जिले में 17 वर्षीय किशोर को अपने स्कूल के एक नाबालिग छात्र की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने सुनसान स्थान पर ले जाकर पीड़ित के सामने यौन संबंध बनाने का प्रस्ताव रखा। कथित तौर पर इनकार मिलने के बाद उसने तौलिए से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने जांच शुरू की और आरोपी किशोर को हिरासत में लेकर हत्या तथा संबंधित कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। चूंकि आरोपी नाबालिग है, इसलिए उसे बाल सुधार गृह भेज दिया

तौलिए से गला घोंटकर की हत्या

आरोपी किशोर बाल सुधार गृह भेजा

गया है।

पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। इस घटना के बाद राज्य में नाबालिगों से जुड़े गंभीर अपराधों और उनकी रोकथाम को लेकर एक बार फिर चिंता जताई जा रही है। प्रशासन ने कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया है।

एसी कोच से कुख्यात संजय सिंह गिरफ्तार

यूनिक समय, पटना। बिहार स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने पांडव सेना के सरगना और कुख्यात अपराधी संजय सिंह को विक्रमशिला एक्सप्रेस की एसी बोगी से गिरफ्तार कर लिया। वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ दिल्ली से पटना लौट रहा था। पुलिस के अनुसार, संजय सिंह के खिलाफ बिहार और झारखंड में हत्या, रंगदारी, अपहरण, अवैध हथियार तथा अन्य गंभीर अपराधों के 26 मामले दर्ज हैं। वह बिहटा थाना के एक मामले में लंबे समय से वांछित था। गिरफ्तारी के दौरान परिजनों को जाने दिया गया, जबकि संजय सिंह को एसटीएफ अपने साथ ले गई। घटना के बाद उसकी पत्नी ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर पति की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। पुलिस ने बताया कि कार्रवाई पूर्व निर्धारित योजना के तहत की गई और आरोपी को कानूनी प्रक्रिया के अनुसार न्यायालय में पेश किया जाएगा। मामले में आगे की पूछताछ जारी है।

अजमेर जेल में डकैत जगन गुर्जर की हत्या

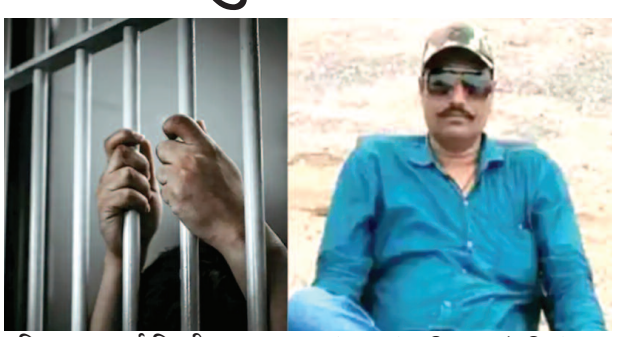

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजस्थान के अजमेर सेंट्रल जेल में बंद चंबल के कुख्यात पूर्व डकैत जगन गुर्जर की हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, कुलदीप जगीना हत्याकांड के आरोपी विष्णु गुर्जर ने जेल के भीतर इस वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद जेल प्रशासन और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

धौलपुर के बसई डांग निवासी जगन गुर्जर ने वर्ष 1994 में अपने जीजा की हत्या का बदला लेने के लिए अपराध की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद उसने गैंग बनाकर राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में हत्या, अपहरण, रंगदारी और अन्य

जेल के भीतर कैदी ने वारदात को दिया अंजाम

चंबल के कुख्यात डकैत का अंत हुआ

गंभीर अपराधों को अंजाम दिया। उसके खिलाफ 100 से अधिक मामले दर्ज थे।

वर्ष 2009 में जगन ने अपने साथियों के साथ आत्मसमर्पण किया था और तब से विभिन्न मामलों में जेल में बंद था। उसकी हत्या के साथ चंबल क्षेत्र के एक चर्चित आपराधिक अध्याय का अंत माना जा रहा है।

रात के अंधेरे में जलाए जा रहे कूड़े के ढेर

छाता नगर पंचायत की बड़ी लापरवाही

हाईवे पर छाया रहता है जानलेवा धुआं

क्षेत्रवासियों का दम घोट रहा प्रदूषण

राहगीरों-वाहन चालकों के लिए पैदा हुआ बड़ा खतरा

यूनिक समय, छाता। एक तरफ सरकार और प्रशासन पर्यावरण संरक्षण को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर नगर पंचायत ऐसे दावों को आग के हवाले करने में जुटी है। नगर पंचायत क्षेत्र में कचरे के निस्तारण की को स्थान तय नहीं है। ऐसे में रात के अंधेरे चीनी मिल के पास में कूड़े के ढेरों में आग लगाई जा रही है। आग से निकलने वाला जहरीला धुआं न सिर्फ स्थानीय कस्बावासियों का दम घोट रहा है, बल्कि हाईवे से गुजरने वाले राहगीरों के लिए भी जानलेवा साबित हो रहा है।

स्थानीय लोगों और राहगीरों के अनुसार, रात के समय कूड़े के ढेर में लगाई गई आग के कारण इतना घना धुआं उठता है कि हाईवे पर कुछ भी दिखाई नहीं देता।

हाईवे से गुजरने वाले भारी वाहनों और कार चालकों को अचानक सामने छाए धुएं के कारण ब्रेक लगाने पड़ते हैं, जिससे किसी भी समय भीषण सड़क हादसा होने का अंदेशा बना रहता है। राहगीरों का कहना है कि रात के समय जब हम छाता से गुजरते हैं, तो हाईवे पर अचानक धुएं की मोटी दीवार जैसी खड़ी दिखाई देती है। आंखों में जलन होने लगती है, सामने का रास्ता पूरी तरह बंद हो जाता है। नगर पंचायत की यह लापरवाही किसी की जान ले सकती है।

हाइवे के किनारे जलाया गया कूड़ा और उससे निकलता धुआं।

कूड़ा जलने से निकलने वाली जहरीली गैसों का सबसे बुरा असर स्थानीय निवासियों, राहगीरों और विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। रात भर हवा में फैले प्रदूषण के कारण लोगों को सांस लेने में दिक्कत, खांसी और आंखों में भारी जलन की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) द्वारा खुले में कूड़ा जलाने पर सख्त प्रतिबंध के बावजूद, नगर पंचायत इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रही है।

हैरानी की बात यह है कि नेशनल हाईवे जैसी अति-संवेदनशील जगह पर यह सब खुलेआम हो रहा है, लेकिन नगर पंचायत का कोई भी जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान देने को तैयार नहीं है। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन और संबंधित उच्चाधिकारियों से मांग की है कि इस मामले का तुरंत संज्ञान लिया जाए, कूड़े में आग लगाने वालों पर कार्रवाई हो और इस जानलेवा प्रदूषण से निजात दिलाई जाए।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला आए दुवासु

पं. दीनदयाल उपाध्याय पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो-अनुसंधान संस्थान में कुलपति और अन्य अधिकारियों के साथ लोकसभा अध्यक्ष ओम विरला। साथ हैं अमित जैन।

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला संक्षिप्त प्रवास के दौरान पं. दीनदयाल उपाध्याय पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो-अनुसंधान संस्थान (दुवासु) के अतिथि गृह पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जनप्रतिनिधियों के साथ संगठनात्मक बैठक की और विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अभिजीत मित्रा से शिष्टाचार भेंट कर संस्थान की प्रगति पर चर्चा की।

भेंट के दौरान कुलपति ने लोकसभा अध्यक्ष को विश्वविद्यालय की प्रमुख उपलब्धियों, अनुसंधान और भावी योजनाओं से अवगत कराते हुए बताया कि संस्थान पशुचिकित्सा शिक्षा, पशु स्वास्थ्य, जैव सुरक्षा और देशी गोवंश के संरक्षण- संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। कुलपति ने विश्वविद्यालय को वैज्ञानिक उत्कृष्टता और नवाचार का केंद्र बनाने के लिए लोकसभा अध्यक्ष का मार्गदर्शन भी प्राप्त किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने दुवासु द्वारा पशुधन, ग्रामीण विकास और वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद के सदस्य अमित जैन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मंदिर की गोलक के सिक्के सड़क पर बिखरे

सड़क पर बिखरे पड़े सिक्कों का नजारा।

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर की गोलकों में आई दान राशि की गिनती के बाद प्लास्टिक के बोरा फटने से सिक्के सड़क पर बिखर गए।

वायरल वीडियो के देखने में आ रहा है कि मंदिर की सुरक्षा में तैनात निजी सुरक्षा कर्मी दानपात्र (गोलक) से निकली राशि बैंक ले जाते दिखाई दे रहे हैं। इसी दौरान सिक्कों से भरी एक थैली फट गई और सिक्के गली में बिखर गए।

वीडियो में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी वहां से गुजरते नजर आ रहे हैं। अचानक सिक्के बिखरने से सुरक्षा कर्मी परेशान हो गया। ऐसा होते देख आसपास मौजूद स्थानीय लोगों ने सुरक्षा कर्मियों की मदद की। किसी ने दूसरी थैली उपलब्ध कराई, जबकि अन्य लोगों ने गली में बिखरे सिक्कों को एकत्रित कराया। इसके बाद पूरी दान राशि को सुरक्षित थैली में भरकर बैंक भेज दिया गया।

बिहारी मंदिर के बाहर नोटों की बारिश

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर के गेट नंबर एक की छत से हो रही नोटों की वर्षात को देखकर हर कोई हैरान रह गया। यह नोटों की बारिश इंद्र देवता ने नहीं, बल्कि एक बंदर कर रहा था। उसने श्रद्धालु के पर्स को खोल लिया और नोटों गिराने जानकारी के अनुसार दर्शन करने आए एक श्रद्धालु का पर्स बंदर छीनकर ले गया था। बंदर पर्स को मंदिर की मुंडेर पर ले गया और उसे फाड़ दिया, जिससे उसमें रखे नोट इधर-उधर बिखर गए। श्रद्धालु की सूचना पर मंदिर कर्मचारियों ने काफी मशक्कत के बाद मुंडेर पर पड़े नोट नीचे गिराकर उन्हें वापस दिलाया।

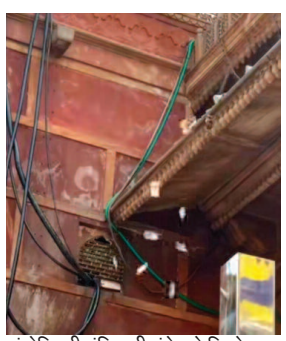
बांकेबिहारी मंदिर की मुंडेर से गिरते नजर आ रहे नोट।

राजस्थान को यमुना जल मिल सकता है तो यूपी को क्यों नहीं

यूनिक समय, मथुरा। धर्म सलाहकार/तीर्थ पुरोहित अमित भारद्वाज ने सवाल उठाया है कि राजस्थान को यमुना जल मिल सकता है तो उत्तर प्रदेश को क्यों नहीं। उन्होंने कहा कि ब्रज को सब्जबाग दिखाए जा रहे हैं। कहा कि हथिनी कुण्ड से बड़ी पाइप लाइन के माध्यम से राजस्थान को यमुना जल पहुंचाने के प्रस्ताव को मूर्त रूप दिया जा रहा है, लेकिन ब्रज के लिए ऐसा कोई प्रयास न तो यहां के जनप्रतिनिधियों न ही उत्तर प्रदेश की सरकार ने कोई योजना तैयार नहीं की है। क्योंकि इनकी इच्छा शक्ति ही नहीं । केवल समय समय पर यह वक्तव्य दे दिए जातें हैं कि कार्य चल रहा है , शीघ्र शुद्ध यमुना जल आयेगा । केवल सब्जबाग दिखा दिये जाते है । कोई ठोस योजना नहीं। जब हथिनी कुंड से राजस्थान को यमुना जल मिल सकता है तो उत्तर प्रदेश सरकार क्यों असमर्थ हैं ।

चलती कार में लगी आग नेशनल हाईवे पर लगा जाम

यूनिक समय, मथुरा। आगरा से दिल्ली की ओर जा रही कार (यूपी 14 सीएफ 2050) मंगलवार दोपहर को अलवर पुल के पास अचानक धुआं उठने लगा और देखते ही देखते कार में आग लग गई। आग को देखकर चालक ने तत्काल चलती कार से कूदकर अपनी जान बचाई। चलती कार में आग लगने की घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें उठने के कारण आगरा-दिल्ली नेशनल हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया और वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। आग बुझने के बाद क्षतिग्रस्त कार को सड़क से हटाया गया, जिसके बाद यातायात सामान्य हो सका।

अलवर पुल के पास हादसे में चालक ने कूदकर बचाई जान

मुठभेड़ में दो लुटेरे गिरफ्तार लूट की बाइक नकदी बरामद

एक लुटेरा पुलिस की गोली लगने से हुआ घायल

घायल लुटेरे को पुलिस ने हॉस्पिटल में कराया भर्ती

यूनिक समय, मथुरा। जैंत पुलिस सर्विलांस और स्वाट टीम ने सयुंक्त रुप से तरौली जाने वाले रास्ते पर नाले की पटरी पर बदमाशों से हुई मुठभेड़ में लूट करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया। घायल बदमाश को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

बताया गया की बीती रात जैंत पुलिस सर्विलांस और स्वाट टीम इलाके में अपराधियों की तलाश कर रही थी। इसी बीच पुलिस को लूट करने वाले दो बदमाशों के बारे में सूचना मिली। पुलिस टीम ने बदमाशों की घेराबंदी की। एसकेएस यूनिवर्सिटी से पहले नाले की पटरी पर तरौली जाने वाले रास्ते पर पुलिस की मुठभेड़ हो गई। बदमाशों द्वारा पुलिस पर फायरिंग किए जाने के बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। पुलिस की गोली एक बदमाश के पैर में लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस ने मौके से बदमाश मोहित और अजीत निवासी महोली थाना हाइवे को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की गोली से मोहित घायल हो गया। पुलिस के अनुसार, दोनों बदमाशों से मगोर्रा थाने में लूटी गई दो बाइकों के अलावा बस कंडक्टर से लूटे गए दो हजार रुपयों के अलावा देशी तमंचे-कारतूस बरामद हुए हैं।

गोवर्धन चौराहे पर पुलिस मौजूदगी में कार सवार को पीटा

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार को शहर के गोवर्धन चौराहे पर यातायात पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में कार सवार और डंपर चालक आदि के बीच जमकर दनादन मारपीट हुई। म्कार सवार महिला ने यातायात पुलिसकर्मियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ऐसा एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। बीच सड़क पर हुए इस हाई-वोल्टेज ड्रामा के दौरान राहगीरों की भीड़ भी लगी रही।

राधा पुरम निवासी एक महिला अपनी कार से चालक के साथ किसी काम से बाजार गई थी। चालक ने किसी काम से उसने कार को गोवर्धन चौराहे के समीप खड़ी कर दिया। इसी दौरान राजस्थान नंबर के एक डंपर ने कार को साइड से टक्कर मार दी, जिससे कार में नुकसान हो गया। आरोप है कि कार सवार युवक के विरोध करने पर डंपर चालक ने गालियां दी। नीचे आकर दोनों पक्षों में मारपीट हुई। वायरल वीडियो में यातायात पुलिसकर्मी मोबाइल घुमाते दिख रहे हैं, जबकि इस मारपीट में महिला भी गिरती दिख रही है। इसके बाद डंपर लेकर चालक चला गया। महिला ने यातायात पुलिसकर्मियों पर कार क्षतिग्रस्त करने पर कार्रवाई नहीं करने और डंपर चालक को भगाने का आरोप लगाते हुए बताया कि पुलिस वालों ने उसके साथ अभद्र व्यवहार किया और गालियां दी। फिलहाल इस मामले की जांच की जा रही है।

नशीला पाउडर रखने पर अभियुक्त को दस साल की कैद

एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया

जेल से कोर्ट में पेश किया गया अभियुक्त

यूनिक समय, मथुरा। विशेष न्यायाधाश (एनडीपीसी एक्ट) अपर सत्र न्यायाधीश न्यायालय संख्या सात ने एक अभियुक्त को 300 ग्राम नशीला पाउडर रखने के आरोप में दस साल की कैद और एक लाख रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

विशेष लोक अभियोजक रनवीर सिंह ने बताया कि थाना जीआरपी के वरिष्ठ उप निरीक्षक गौरव कुमार शर्मा 18 अक्टूबर 2023 को पुलिसकर्मियों के साथ अपराध की रोकथाम और संदिग्धो की चेकिंग करते हुए बुकिंग हाल प्रथम से प्लेटफार्म संख्या एक की ओर जा रहे थे। एक नंबर एंट्री गेट पर आरपीएफ सीआईबी आगरा मुख्य आरक्षी अजय पाल मीणा और मथुरा जंक्शन आरपीएफ के मुख्य आरक्षी सतीश कुमार मिले, यह स्टेशन पर किए जाने जाने वाले अपराध पर रोकथाम करने पर वार्ता कर रहे थे। इसी बीच मुखबिर ने सूचना दी कि प्लेट फॉर्म संख्या एक पर आगरा साइड की तरफ एक व्यक्ति बैठा हुआ है जिसके पास काले रंग का बैग है। बैग में नशीला पाउडर है, जल्दी की जाए तो पकड़ा जा सकता है। नशीला पाउडर होने की सूचना सीओ की फोन पर दी गई। सीओ ने बताया कि वह चेकिंग के लिए मथुरा स्टेशन पर कुछ ही देर में पहुंच रहे हैं। सीओ के आने के बाद पुलिस टीम ने छापा मारकर टीनशेड में बैठे एक युवक को दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बैग खुलवाकर देखा तो उसके पास काली पॉलीथिन में पाउडर मिला। सीओ के सामने तलाशी की गई अभियुक्त से उसका नाम पूछा तो उसने अपना नाम पवन रावत बताया। पुलिस ने उससे बरामद 300 ग्राम नशीला पाउडर में से 50 ग्राम नमूने के तौर पर जांच के लिए लैब भेज दिया। अभियुक्त को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया। अभियुक्त जेल में है। पुलिस ने उसके खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई विशेष न्यायाधाश (एनडीपीसी एक्ट) अपर सत्र न्यायाधीश न्यायालय संख्या सात की अदालत में हुई। न्यायाधीश ने उसे नशीला पाउडर रखने का दोषी ठहराते हुए उक्त सजा से दंडित किया।

सरकार झुकी, वापस लिया ऑनलाइन रजिस्ट्री कानून

कल से रजिस्ट्री कार्यालयों पर फिर से दिखाई देगी रौनक

यूनिक समय, मथुरा। ऑनलाइन रजिस्ट्री के आदेश को दस्तावेज लेखकों और अधिवक्ताओं के कड़े विरोध के बाद सरकार ने 23 दिन बाद वापस ले लिया है। अब रजिस्ट्री पहले की तरह होंगी। सभी कातिब कल से विधिवत रजिस्ट्री का काम शुरू करेंगे।

जिला निबंधक समिति के जिलाध्यक्ष सुरेश चौधरी ने सरकार द्वारा ऑन लाइन रजिस्ट्री आदेश को वापस लिए जाने को दस्तावेज लेखकों और अधिवक्ता सहित अन्य लोगों की जीत बताते हुए सभी का इस लड़ाई को मिलकर लड़ने के लिए धन्यवाद किया।

उन्होंने बताया कि सरकार ने आदेश को वापस ले लिया है। अब कल से सभी तहसीलों में विधिवत रूप से रजिस्ट्री का काम शुरू हो जाएगा।